30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:51 Page 1

31 अक्टूबर
शुक्रवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

बागी हुए राजद के वरिष्ठ नेता गुड्डू यादव, सैकड़ों समर्थकों संग थामा जदयू का दामन

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा का तांडव, झंझावात के साथ भारी बारिश

- राजस्थान, यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश समेत कई इलाके प्रभावित

एजेंसी। नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान मोंथा का असर राजस्थान, यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत कई प्रदेशों में जारी है। बेमौसम बारिश का सबसे बुरा प्रभाव किसानों की तैयार फसलों पर पड़ रहा है। मौसम विभाग ने कई जगहों पर झंझावात के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।इसके अलावा मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ ने आगामी दिनों में बारिश को लेकर एक विशेष रिपोर्ट साझा की है। मौसम केंद्र ने बताया कि गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा पूरी तरह

सक्रिय है। जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बेमौसम बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 31 अक्टूबर की सुबह मोंथा तूफान का दाब पूर्वी विदर्भ और दक्षिणी छत्तीसगढ़ क्षेत्र में केंद्रित था।मौसम विभाग ने बताया कि आगामी 24 घंटों में मोंथा के उत्तर की ओर बढ़ते हुए पूर्वी मध्य प्रदेश और उत्तरी छत्तीसगढ़ में कमजोर पड़ने की संभावना है। इसके अलावा मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि क्षोभमंडल में दक्षिणी हरियाणा और संलग्न राजस्थान के आसपास एक चक्रवाती परिसंचरण तंत्र बना हुआ है।भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ है। आंध्र प्रदेश में दो और लोगों की मौत हो गई, जबकि डेढ़ लाख एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हो गई। चक्रवात का असर तेलंगाना, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित कुछ अन्य राज्यों पर भी पड़ा। आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ गया। लेकिन उससे पहले भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, मकान ढह गए और सड़कों पर पानी भर गया। बिजली की आपूर्ति और यातायात प्रभावित हुआ। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, मकान ढह गए और सड़कों पर पानी भर गया। बिजली की आपूर्ति और यातायात प्रभावित हुआ। इस बीच मौसम विभाग ने दो दिनों तक आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों और उत्तरी तटीय क्षेत्रों में हल्की से सामान्य बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। चक्रवात मंगलवार मध्य रात्रि को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ गया। तूफान को देखते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तूफान से प्रभावित जिलों का ।मतपंस ेनतअमल किया। उन्होंने कहा कि सतर्कता बरतने के कारण कम नुकसान हुआ।

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश

कोलकाता में चक्रवात मोंथा के कमजोर पड़ने के बाद शुक्रवार तक पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने मुताबिक मौसम प्रणाली उत्तर-उत्तर पश्चिम की दिशा में बढ़ रही है और इसलिए दक्षिण बंगाल में हल्के से सामान्य बारिश होने के आसार हैं। वहीं, दक्षिण 24 परगना, पूरबा और पश्चिम मेदनीपुर, झारग्राम, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पूरबा बर्धमान और पुरुलिया जिलों में शुक्रवार तक भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। ओडिशा में 25 जगहों पर भारी बारिश हुई। चक्रवात के असर से बचाने के लिए 2,000 से ज्यादा गर्भवती महिलाओं को प्रसूती गृहों में भर्ती कराया गया। चक्रवात बुधवार सुबह ओडिशा के गंजम जिले पहुंचा और यहां समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठीं। हवा की रफ्तार 80-100 किमी प्रति घंटे पहुंच गई है। मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि गजपति जिले में सबसे ज्यादा बारिश हुई। यहां 150.5 मिलिमीटर बारिश दर्ज की गई।

जस्टिस सूर्यकांत होंगे भारत के 53 वें मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को जस्टिस सूर्यकांत को भारत का 53वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। वह मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 23 नवंबर को समाप्त हो रहा है। केंद्रीय कानून मंत्री अरुण राम मेघवाल ने इस संबंध में लिखा है कि भारत के संविधान के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को 24 नवंबर 2025 से प्रभावी रूप से भारत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

किया है। मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। वर्तमान सीजेआई बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को रिटायर हो रहे हैं। इसके बाद 24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ लेंगे। वह लगभग 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 9 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

राहुल गांधी ने अपने मुजफ्फरपुर की पहली सभा में पीएम मोदी पर किया था करारा प्रहार

छठ ड्रामा है, ऐसा कहने वालों को सजा देगी जनता : पीएम मोदी

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार का काम चरम की ओर है। राहुल गांधी ने अपने मुजफ्फरपुर की पहली सभा में पीएम मोदी पर करारा प्रहार किया था। उन्होंने मोदी के द्वारा किए गए कार्य को छठ का ड्रामा करार दिया था। पीएम मोदी ने अपने मुजफ्फरपुर की सभा में ही राहुल गांधी के आरोप का जवाब दिया। इसके साथ ही छठ को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। पीएम मोदी ने मुजफ्फरपुर की अपनी सभा में कहा कि छठ के बाद यह पहली सभा है। छठ देश-दुनिया में मनाया जाता है। इसके गीत सुन हम भावविभोर हो जाते हैं। छठ को यूनेस्को की सूची में शामिल करने का प्रयास सरकार की ओर से चल रहा है। छठ के गीतों के माध्यम से संस्कार की प्रक्रिया चलती है। उसको देशव्यापी रूप देने के लिए छठ के गीतों को विभिन्न भाषा में प्रतिस्पर्धा करने वाले हैं। इससे हर भाषा के लोगों को

मौका मिलेगा। इन्हें जनता चुनेगी कि उन्हें कौन-कौन गीत पसंद आते हैं। सबसे चर्चित गीतों के गायक और लेखक को अगले साल छठ से पहले सम्मानित किया जाएगा। जब मुझे सोने से पहले या योग के समय समय मिलता है तो छठ के गीत सुनता था। तब मैंने देखा एक विदेशी महिला और नगालैंड की बेटी छठ के गीत गा रही थी, तब लगा छठ मैया देश-विदेश में अपना प्रभाव दिखा रही हैं। इस प्रतियोगिता से नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। न्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। आप बताएं क्या कोई वोट पाने के लिए छठ मैया का अपमान करेगा, क्या माताएं निर्जला उपवास करती हैं, क्या वो सहन करेंगी क्या? बेशर्मी से बोल रहे हैं, उनके लिए छठ पूजा नौटंकी है, ड्रामा है। ऐसे लोगों को सजा दोगे कि नहीं। जो माताएं निर्जला व्रत रखती हैं, गंगाजी में खड़ी होती हैं, वो तो उनकी नजर में ड्रामा करती हैं। क्या बिहार की माताएं-बहनें छठ मैया का अपमान बर्दाश्त करेंगी? यह हर उस व्यक्ति का अपमान है जो छठी मैया में श्रद्धा रखता है। मैं जानता हूं इस अपमान को सैकड़ों साल तक बिहार नहीं भूलेगा। हमारा बिहार, स्वाभिमान की धरती है, जिन लोगों ने छठ पूजा को गाली देने का काम किया है, उन्हें कोई नहीं भूलेगा। बिहार की संस्कृति को दूर-दूर तक ले जाना एनडीए का उद्देश्य है।

बिहार चुनाव में कांग्रेस भुगतना होगा खामियाजा : शाह

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छठ मईया के प्रति भक्ति को नाटक बताकर छठी मईया के सभी भक्तों का अपमान किया है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ महागठबंधन को बिहार चुनाव 2025 में इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा। अमित शाह ने कहा कि पूरा देश छठ मईया की आराधना करता है, श्रद्धापूर्वक अर्घ्य देता है और छठ पर्व के दिन प्रसाद भी ग्रहण करता है। उन्होंने कहा, श्राहुल जी ने चुनावों में मोदी जी का विरोध करते हुए और उनका अपमान करते हुए, अंततः छठी मईया का ही अपमान कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक मतदाताओं द्वारा कहने पर नाच भी सकते हैं। बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ह्यअगर मोदी जी ड्रामा करना चाहते हैं, छठ पूजा का ड्रामा करना चाहते हैं, तो पानी आएगा, वीडियो कैमरा आएगा।

सरदार पटेल व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा हैं : शाह

एजेंसी। पटना

पटना में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया, इस दौरान उनके साथ केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय भी मौजूद रहे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरदार पटेल व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरदार पटेल आजादी की रीढ़ रहे हैं और देश निर्माण में सरदार पटेल का योगदान बेहद अहम है।इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धेय सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता नगर केवड़िया कॉलोनी में जो भव्य परेड का आयोजन हो रहा है। उसकी सूचना देने के लिए सभी को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि, हम सभी जानते हैं कि सरदार पटेल जी का आजादी के बाद देश को एक करने में और आज के भारत के निर्माण में और एक भारत बनाने में कितना बड़ा योगदान है।इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- सरदार पटेल जी 150वीं जयंती पर विशेष आयोजन किया गया है और गृह मंत्रालय ने ये भी तय किया है कि आज के बाद हर 31 अक्तूबर को इसी प्रकार की भव्य परेड का आयोजन होगा।

रन फॉर यूनिटी का बड़े स्तर पर आयोजन

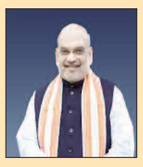

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा इस बार रन फॉर यूनिटी को भी बड़े स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। देश के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, जिला, पुलिस स्टेशन, सभी स्कूल और विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ है। देश के प्रत्येक नागरिक के लिए देश की एकता और अखंडता के लिए शपथ लेने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

विधि का शासन व प्रभावी कार्यान्वन विकास का मूल आधार : बिरला

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि विधि का शासन और इसका प्रभावी कार्यान्वयन आर्थिक विकास का मूल आधार है। जोकि 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने यह बात भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 77वें आरआर बैच के अधिकारियों के लिए संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय एप्रिसिएशन कोर्स के उद्घाटन अवसर पर कही।उन्होंने कहा कि विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों और नीतियों को युवा सिविल सेवकों द्वारा जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की भावना उनके कार्यों और आचरण का मार्गदर्शन करे। उन्होंने आगे कहा कि उनके आचरण में बाबा साहब बी.आर. अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित जन सेवा की भावना प्रतिबिम्बित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान सभा ने व्यापक चर्चा और विचार-विमर्श के बाद एक ऐसा संविधान बनाया जो आज भी हमारे लिए गर्व का विषय और प्रेरणास्त्रोत है जिसकी प्रशंसा पूरी दुनिया में होती है। युवा आईपीएस अधिकारियों को श्सेवाश और श्समर्पणश का मंत्र देते हुए, बिरला ने कहा कि कि वे अपने कार्यों को केवल दायित्व न मानकर अपने कर्तव्यों का पालन सच्ची सेवा और समर्पण की भावना से करें।

देश की लगभग 46 प्रतिशत आबादी अभी भी खेती पर निर्भर

बजट सत्र में आयेगा नया बीज कानून : कृषि मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार अगले साल की शुरूआत में संसद के बजट सत्र के दौरान बीज की गुणवत्ता को विनियमित करने के लिए कड़े प्रावधानों वाला कानून पेश करने की योजना बना रही है। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चैहान ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य कृषक समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण इनपुट सुनिश्चित करना है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चैहान ने गुरूवार को कहा कि देश की लगभग 46 प्रतिशत

आबादी अभी भी अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है और किसानों की बेहतर आय सुनिश्चित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त का पैसा 4 राज्यों के किसानों को मिल गया है। उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बाढ़ की वजह से खेती किसानी प्रभावित हुई, जिसके चलते केंद्र सरकार ने इन राज्यों के किसानों को 21वीं किस्त का पैसा भेज दिया। वहीं, अभी बाकी के राज्य के किसानों को इसका इंतजार है। चैहान ने कहा कि हम संसद के बजट सत्र में बीज कानून लाने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि घटिया गुणवत्ता वाले बीजों की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के लिए कड़े प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों की अनुमति नहीं है और बेहतर किस्मों को विकसित करने के लिए अनुसंधान चल रहा है।

हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों ने लाए बीज कानून

इस बीच, हरियाणा और पंजाब सहित कुछ राज्यों ने वर्ष 2025 में अपने-अपने बीज अधिनियमों में स्वतंत्र रूप से संशोधन किया है, जिसमें उल्लंघन के लिए कठोर दंड और बेहतर प्रवर्तन उपाय शामिल हैं। किसानों को बेहतर लाभ सुनिश्चित करने के लिए, चैहान ने कहा कि सरकार एकीकृत खेती को बढ़ावा देगी और उन्हें कृषि के साथ-साथ मुर्गी पालन और डेयरी जैसी संबद्ध गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:51 Page 2

उद्योगों की नगरी डुमरांव आज बेरोजगारी की राजधानी, क्यों बंद हो गए कारखाने, किसकी है जिम्मेदारी

पीके बादल/केसठ

कभी उद्योगों की नगरी कहलाने वाला डुमरांव आज रोजगार के लिए तरस रहा है। जिस धरती पर कभी सूत मिल, स्टील फैक्ट्री, लालटेन फैक्ट्री, टाइल्स फैक्ट्री, आइस फैक्ट्री और राइस मिलों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा है। हजारों परिवारों को रोजगार देने वाले उद्योग एक-एक कर बंद हो गए, और युवाओं का पलायन बढ़ता गया। लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में किसी भी प्रत्याशी ने इसे मुद्दा नहीं बनाया। सिर्फ

जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि जीत के बाद में इस क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति ला दूंगा। वहीं, डुमरांव में चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नावानगर का बियाडा क्षेत्र उद्योग क्षेत्र बन गया है। सरकार अगले पांच वर्षों में उद्योग को बढ़ावा देगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि उद्योगों के बंद होने का कारण सिर्फ बिजली का बढ़ता बिल या सरकार की नीति नहीं, बल्कि प्रबंधन की मिलीभगत और जमीन की लूट भी है। उद्योगपतियों ने धीरे-धीरे कारखानों की जमीन रिहायशी कॉलोनी और निजी उपयोग के लिए बेच डाली, जिससे हजारों लोगों की आजीविका खत्म हो गई।

कहते है बेरोजगार

हर चुनाव में रोजगार की बातें होती हैं, लेकिन उद्योग फिर से चालू कराने पर कोई गंभीर नहीं। अगर यह मुद्दा नहीं उठा, तो आने वाले समय में डुमरांव पूरी तरह खाली हो जाएगा। राजनीति ने डुमरांव के औद्योगिक दर्द को ढक दिया है। जिस मुद्दे से हजारों परिवारों का पेट जुड़ा था, वह अब सिर्फ इतिहास बन गया है। जिस शहर को उद्योगों की नगरी कहा जाता था, वहाँ फैक्ट्रियों के बदले मकान क्यों उग आए। अगर इस बार किसी प्रत्याशी ने इस दर्द को नहीं समझा, तो जनता शायद खुद मुद्दा बना दे। क्योंकि अब सवाल सिर्फ विकास का नहीं, अस्तित्व का है।स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि 80 और 90 के दशक में डुमरांव में रोजगार की कोई कमी नहीं थी। दर्जनों मिलें चलती थीं, लोग आस-पास के प्रखंडों से काम करने आते थे। लेकिन धीरे-धीरे बिजली बिल, नीति संकट और मालिकों की लापरवाही ने पूरे औद्योगिक ढांचे को निगल लिया।जो शहर कभी उद्योगों की पहचान था, आज वहाँ मकान और गोदाम बन गए हैं।वही नावानगर की फैक्ट्रियाँ आज हमारे नौजवानों के साथ अन्याय कर रही हैं। नेता सिर्फ चुनाव आते ही झूठे वादे करते हैं। उद्योग और रोजगार दोनों ही अब चुनावी जुमले बन चुके हैं।वहीं स्थानीय व्यापारियो का कहना है की डुमरांव की पहचान उद्योगों से थी। अब छोटे व्यापारी भी संकट में हैं। अगर सरकार और प्रशासन ध्यान न दे, तो आने वाले वर्षों में यहां पलायन और बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि डुमरांव में पहले कई उद्योग जैसे अनाज मिल, ईंट भट्ठा, हथकरघा, बेकरी यूनिट, और लकड़ी उद्योग फलते-फूलते थे। लेकिन न तो रखरखाव हुआ, न ही सरकारी समर्थन। धीरे-धीरे सब ठप हो गया। अब जब चुनावी माहौल गर्म है, तब भी उद्योग, रोजगार, और पलायन का दर्द किसी उम्मीदवार की जुबान पर नहीं है। जनता पूछ रही है कि जब उद्योगों की नगरी ही बेरोजगारों का शहर बन गई है तो इसका जिम्मेदार आखिर कौन है।

गुड्डु यादव के पल्ला बदलने से महागठबंधन की बढ़ेगी परेशानी, निवर्तमान विधायक की कार्यशैली से नाराज होकर लिया बड़ा फैसला

बागी हुए राजद के वरिष्ठ नेता गुड्डू यादव, सैकड़ों समर्थकों संग थामा जदयू का दामन

केटी न्यूज/नावानगर

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी के बीच महागठबंधन के लिए बड़ा झटका तब लगा जब राजद के वरिष्ठ नेता एवं सोनवर्षा निवासी गुड्डू यादव ने गुरुवार को पार्टी छोड़ जदयू का दामन थाम लिया। उन्होंने सैकड़ों समर्थकों के साथ सोनवर्षा में आयोजित एक सभा के दौरान जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन प्रत्याशी की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जनता विकास के नाम पर सही निर्णय ले। सभा में उपस्थित लोगों की भारी भीड़ और समर्थकों का उत्साह देखने लायक था। गुड्डू यादव ने कहा कि वे लंबे समय से राजद में सक्रिय रहे, लेकिन निवर्तमान विधायक की उपेक्षात्मक रवैया और कार्यकताओं की अनदेखी से वे और उनके समर्थक आहत थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में डुमरांव क्षेत्र विकास से कोसों दूर रहा। जनहित की कोई बात सुनने वाला नहीं था, जिससे जनता में भी निराशा का

माहौल बना हुआ है। उन्होंने निवर्तमान विधायक पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि विधायक कभी राजद कार्यकताओं की बात तक नहीं सुनते है, जबकि वे राजद के वोट पर ही चुनाव जीते है। उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह की जीत पक्की है। उन्होंने आगे कहा कि जदयू नेतृत्व के साथ अब वे क्षेत्र में विकास और जनसेवा के लिए काम करेंगे। वहीं जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने गुड्डू यादव के पार्टी में शामिल होने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पार्टी को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि गुड्डू यादव जैसे जमीनी नेता के आने से जनता में सकारात्मक संदेश गया है और अब जीत की राह और मजबूत हुई है। क्षेत्र के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गुड्डू यादव के पाला बदलने से महागठबंधन को डुमरांव सीट पर भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है, क्योंकि वे इस इलाके के बड़े जनाधार वाले नेता है, खासकर यादव समाज व युवा वर्ग में वे खासे लोकप्रिय है। इस दौरान उनके सैकड़ो समर्थक भी मौजूद थे। गुड्डू ने कहा कि वे काफी सोंच-समझकर ये फैसला ले रहे है तथा बिहार के विकास को रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का रहना जरूरी है। वहीं, उन्होंने जदयू के प्रत्याशी राहुल सिंह की जमकर तारीफ की और कहा कि वे पढ़े लिखे तथा मिलनसार प्रवृति के है। उनके पास क्षेत्र के विकास व उद्योग धंधों को बढ़ावा देने का विजन है, जिसका लाभ डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के नौजवानों व आम जनता को मिलेगा। उन्होंने अपने समर्थकों से राहुल सिंह के पक्ष में मतदान की अपील भी की।

जनता अब ठहराव नहीं, विकास चाहती है : दीपक यादव

डुमरांव । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में डुमरांव सीट पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में गुरुवार को भाजपा युवा मोर्चा बिहार प्रदेश के सह-संयोजक दीपक यादव ने नया भोजपुर, पुराना भोजपुर, अंबेडकर नगर और आसपास के गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र में जनता का जोश देखते ही बन रहा था। ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दीपक यादव ने कहा कि डुमरांव में इस बार की लड़ाई सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि विकास बनाम ठहराव की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्षों में जनता ने केवल वादे सुने हैं, विकास नहीं देखा। अबकी बार जनता बदलाव के मूड में है। दीपक यादव ने कहा कि मौजूदा विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजनाओं का झूठा श्रेय लेने का प्रयास किया, जबकि क्षेत्र की वास्तविक स्थिति जमीनी स्तर पर बदहाल है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ह्लयहां के जनप्रतिनिधि विकास की जगह केवल पोस्टर और बयानबाजी तक सीमित रहे हैं। अब जनता सब समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि राहुल सिंह युवा, शिक्षित और ईमानदार चेहरा हैं, जिनके नेतृत्व में डुमरांव शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में नई दिशा पाएगा। उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्लविकसित भारतह्व के सपने को साकार करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगी। युवा नेता ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य में सड़क, बिजली, जल-जीवन-हरियाली और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, और अब वही विकास की लहर डुमरांव में भी पहुंचेगी। दीपक यादव ने युवाओं से अपील करते हुए कहा, ह्लअब वक्त है डुमरांव को ठहराव से निकालकर विकास की राह पर लाने का। हर वोट राहुल सिंह को दें, क्योंकि यह वोट सिर्फ प्रत्याशी का नहीं, डुमरांव के भविष्य का है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा, जदयू और एनडीए कार्यकर्ता मौजूद थे। क्षेत्र ह्लतीर पर बटन दबाओ, विकास सरकार बनाओह्व के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकताओं ने राहुल सिंह की भारी जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि इस बार डुमरांव में विकास की नई कहानी लिखी जाएगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मोंथा चक्रवात का असर, रिमझिम बारिश से बढ़ी ठंड, धान की फसल को पहुंचा भारी नुकसान

केटी न्यूज/केसठ

पिछले दो दिनों से मोंथा चक्रवात के प्रभाव से हो रही रिमझिम बारिश ने प्रखंड क्षेत्र के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। लगातार हो रही हल्की बारिश और ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट आई है, जिससे लोगों को ठिठुरन महसूस होने लगी है। वहीं, खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी धान की फसल पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। कई जगहों पर फसल गिर गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।किसानों ने बताया कि बारिश से खेतों में पानी भर गया है, जिससे कटाई और मड़ाई दोनों में दिक्कत हो रही है। जिन खेतों में धान की फसल पक चुकी थी, वह झुक या गिर गई हैं, जिससे दाने काले पड़ने और खराब होने की संभावना बढ़ गई है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का आशंका है। स्थानीय किसान, दिनेश महतो, पिंटू यादव, संतोष आर्य, राजेश यादव आदि ने बताया कि अगर मौसम दो-तीन दिन और खराब रहा, तो आधी से ज्यादा फसल खराब हो जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, यह बारिश मोंखा चक्रवात के कारण हो रही है, जो बंगाल की खाड़ी से उठकर बिहार के कई हिस्सों में सक्रिय है।लगातार गिरते तापमान के कारण लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। शाम होते ही बाजारों में सन्नाटा पसरने लगा है और ठंडी हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। किसान अब आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं, ताकि जल्द मौसम साफ हो और वे अपनी मेहनत की कमाई को नुकसान से बचा सकें।

देशी कट्टा व छह कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

- **पड़ोसी से विवाद के बाद कट्टा लहरा दे रहा था धमकी, शिकायत पर पुलिस ने किया गिरफ्तार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव की है घटना**

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव में एक युवक पड़ोसी से विवाद के बाद कट्टा लहरा धमकी दे रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल उसके घर छापेमारी किया। छापेमारी के दौरान उसके घर से दो देशी कट्टा व आधा दर्जन कारतूस बरामद हुए। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी में जुट गई। गिरफ्तार युवक की पहचान महदह गांव निवासी अंगद यादव, पिता बलि यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पड़ोसी से विवाद के बाद वह सरेआम कट्टा लहरा धमकी दे रहा था। इसी दौरान पीड़ित पक्ष ने इसकी सूचना मुफस्सिल चौकी प्रभारी गुड्डू चौधरी को दी। वे सदल-बल मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने विवाद के दौरान गुस्से में हथियार दिखाया था। चौकी प्रभारी गुड्डू चौधरी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हथियार कहां से लाया गया था और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है तथा ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

रबी फसल के बीज वितरण में तेजी वंचित किसानों को मिला लाभ

- **8 हजार रजिस्टर्ड किसान हैं डुमरांव प्रखंड में जिन्हें बीज उपलब्ध कराना है**

केटी न्यूज/डुमारांव

रबी फसल में गेहूं बीज का वितरण एक माह पूर्व ही कर दिया गया था, लेकिन मटर, मसूर और सरसो का नहीं हो पाया था, जिसको लेकर किसानों में मयूशी थी। उन्हें बताया गया था की जल्द ही उसका भी वितरण किया जाएगा, लेकिन एक माह तक नहीं होने पर किसान मायूश हो गए थे, और स्वयं बीज खरीदने की तैयारी मे लगे हुए थे। मालूम हो कि 15 नवंबर के बाद धान की कटनी शुरू हो जाती है, और रबी फसल की बुआयी के लिये खेतो को तैयार करने में किसान जुट जाते हैं। गुरूवार को रबी फसल में मटर, सरसो और मसूर के

बीज का वितरित करने का काम शुरू कर दिया गया। किसान सलाहकार और समन्वयक अपने-अपने क्षेत्र में जाकर किसनों को इसकी जानकारी दे रहे थे। जानकारी मिलने के बाद किसान प्रखंड कार्यालय स्थित ई-किसान भवन में पहुंच बीज का उठाव कर रहे थे। मालूम हो कि धान कटनी के बाद रबी फसल की बुआयी शुरू हो जाती है, लेकिन सरकारी बीज नहीं मिलने के कारण उनके द्वारा खरीदारी करने कि तैयारी चल रही थी, की समय पर बुआयी हो सके। विभाग ने आश्वासन दिया था कि जैसे ही नई खेप आएगी, वंचित किसानों को प्राथमिकता के आधार पर बीज उपलब्ध कराया जाएगा। बीज का इंतजार कर रहे किसानों को जैसे ही किसान सलाहकार और समन्वयोकों के द्वारा बीज आने की खबर मिली गुरूवार को सभी ई-किसान भवन पहुंच, बीज का उठाव करने लगे। बीज का वितरण बीएओ श्रुति प्रिया स्वयं रहकर करा रही थी। जोत के अनुसार किसनों को मटर व मसूर बीज 8 से 16 किलो एवं सरसो प्रति किसान 2 किलो दिया जा रहा था। बीज लेने के लिये काफी संख्या में महिला किसान पहुंची हुई थी। केशा टाईम्स के द्वारा जब महिलाओं से बात की गई कि आप बीज लेने आयी हैं, परिवार से कोई पुरूष नहीं आया है, इस पर उन्होंने बताया की घर पुरूश अपने काम-धंधे में गए हुए हैं, इसलिये हमलोग आए हैं। महिलाओं को खेती के प्रति उत्सुकता देख अधिकारी से लेकर अन्य लोग काफी खुश थे। इधर कृषि पदाधिकारी का कहना था कि किसानों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभाग अतिरिक्त बीज की व्यवस्था में जुटा है ताकि कोई भी किसान वंचित न रह जाए। किसानों ने भी विभागीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष बीज वितरण व्यवस्था पहले से अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी रही है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:51 Page 3

सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन ने लिया तैयारियों का जायजा, मतगणना की पारदर्शिता पर दिया विशेष जोर

■ एम.पी. हाई स्कूल में मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण, 1950 कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली से हुए संतुष्ट

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी क्रम में गुरुवार को राजपुर विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन, आईएएस ने जिले में चुनावी तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रेक्षक महोदय ने मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण स्थल से लेकर नियंत्रण कक्ष और कॉल सेंटर तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रेक्षक विवेकानंदन ने सर्वप्रथम एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर पहुंचकर वहां आयोजित मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने प्रशिक्षकों एवं उपस्थित कर्मियों से विस्तारपूर्वक बातचीत की और उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अक्षरशः पालन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मी को अपनी भूमिका, जिम्मेदारी और प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, ताकि मतगणना का कार्य पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो सके।

उन्होंने विशेष रूप से यह भी कहा कि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख को प्रभावित कर सकती है, अतः सभी कर्मी अपने कार्य के प्रति पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जुटें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए।

इसके बाद सामान्य प्रेक्षक विवेकानंदन ने जिला नियंत्रण कक्ष और 1950 कॉल सेंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चल रहे कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और मतदाताओं से प्राप्त शिकायतों के पंजीकरण, निस्तारण तथा फीडबैक प्रणाली की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रत्येक कॉल और शिकायत का निपटारा शीघ्रता से और संवेदनशीलता के साथ किया जाए, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि कॉल सेंटर, नियंत्रण कक्ष और प्रशिक्षण प्रणाली, तीनों ही निर्वाचन प्रक्रिया की रीढ़ हैं, जिनकी कार्यकुशलता से ही चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 1950 हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचनाओं की सतत मॉनिटरिंग की जाए और शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की देरी न हो।

निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता बक्सर, प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी, लायजनिंग अधिकारी सहित कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रेक्षक महोदय को अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी और विश्वास दिलाया कि आगामी 6 नवम्बर को मतगणना कार्य पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न होगा।

सामान्य प्रेक्षक के निरीक्षण से प्रशासनिक तैयारियों को और मजबूती मिली है। जिले में निर्वाचन प्रक्रिया की प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि लोकतंत्र के इस महापर्व का आयोजन सुचारू एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण संपन्न, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया के लिए सशक्त तैयारी

■ डीएम ने दिए सख्त निर्देश, मतगणना केंद्र पर त्रुटिहीन व्यवस्था सुनिश्चित करें सभी कर्मी

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के तहत बक्सर जिले में मतगणना कार्य से जुड़े सभी कर्मियों का प्रशिक्षण गुरुवार को एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित मतगणना प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी बक्सर ने स्वयं किया। इस दौरान प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी वरीय उपसमाहर्ता आलोक नारायण वत्स और वरीय उपसमाहर्ता रवि बहादुर (ईवीएम सेल) भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र

में मतगणना प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की बारीकियों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षकों ने कर्मियों को मतगणना टेबल की व्यवस्था, ईवीएम और वीवीपैट की गणना विधि, फॉर्म-17सी की जांच, मतगणना पर्यवेक्षकों की भूमिका और परिणाम संकलन की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही किसी भी परिस्थिति में मतगणना केंद्र पर अनुशासन और गोपनीयता बनाए रखने पर बल दिया गया।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि ह्नमतगणना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सबसे अहम चरण है। यह वह समय होता है जब जनता के मतों का सम्मान और विश्वास परीक्षा पर होता है। अतः सटीकता, पारदर्शिता और गति झ्र तीनों का संतुलन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतगणना के दौरान किसी भी स्तर पर त्रुटि, लापरवाही या नियमों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की साख और विश्वसनीयता अक्षुण्ण बनी रहे।

डीएम ने मतगणना केंद्र की भौतिक व्यवस्था, सुरक्षा, निगरानी प्रणाली और मीडिया प्रबंधन पर भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने यह निर्देश दिया कि प्रत्येक मतगणना टेबल पर आवश्यक संसाधन और तकनीकी सहयोग सुनिश्चित हो, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को यह भी बताया गया कि मतगणना की प्रत्येक प्रक्रिया वीडियो रिकॉर्डिंग के अंतर्गत होगी तथा आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक चरण की निगरानी की जाएगी। मतगणना कर्मियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और जानकारीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें अपने दायित्वों को समझने और सही ढंग से निर्वहन करने में बड़ी मदद मिली है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी मतगणना को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगा। जिला प्रशासन ने तैयारी को लेकर पूर्ण विश्वास जताया है कि बक्सर जिले में मतगणना प्रक्रिया आयोग की मंशा के अनुरूप शांति, पारदर्शिता और पेशेवर दक्षता के साथ संपन्न होगी।

बक्सर में बिहार विधानसभा चुनाव हेतु ईवीएम का द्वितीय रैंडमाइजेशन संपन्न

बक्सर। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 के अंतर्गत बक्सर जिले में बुधवार को ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) का द्वितीय रैंडमाइजेशन प्रक्रिया संपन्न की गई। यह प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी बक्सर की देखरेख में सम्पन्न हुई। निवार्ची पदाधिकारी द्वारा आयोजित इस रैंडमाइजेशन में संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशी एवं उनके प्रतिनिधि, साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षक उपस्थित रहे। इस प्रक्रिया के तहत विधान सभा वार उपलब्ध कराए गए ईवीएम को यादच्छिक (रैंडम) तरीके से विभिन्न मतदान केंद्रों को आवंटित किया गया। साथ ही अतिरिक्त व सुरक्षित (रिजर्व) ईवीएम की सूची भी तैयार कर सभी प्रत्याशियों के साथ साझा की गई। रैंडमाइजेशन के दौरान सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की जांच कर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी खराब मशीन मतदान केंद्रों तक न पहुंचे। खराब पाए जाने वाले उपकरणों को तत्काल रिप्लेसमेंट के रूप में बदला गया। निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शानुसार यह पूरी प्रक्रिया ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम (ई एम एस) पोर्टल के माध्यम से संपन्न की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि द्वितीय रैंडमाइजेशन का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखना है। सभी ईवीएम को सुरक्षित स्थान पर सील कर रखा गया है, जिन्हें मतदान दिवस के दिन संबंधित मतदान केंद्रों पर प्रयोग में लाया जाएगा।

एक नजर

85 वर्ष से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर डोर स्टेप पर मतदान सुविधा

बक्सर। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 85 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष ह्नहोम वोटिंगह्न सुविधा की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग से वंचित न रह जाए। बक्सर जिले में इस सुविधा के तहत गुरुवार को कुल 259 होम वोटरों में से 236 मतदाताओं ने अपने घर पर ही मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाई। मतदान टीमों ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार घर-घर जाकर मतदान प्रक्रिया पूरी कराई। शेष 23 पात्र मतदाताओं के लिए शुक्रवार को भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि सभी इच्छुक मतदाता मतदान कर सकें। इस विशेष व्यवस्था के दौरान सुरक्षा एवं गोपनीयता के सभी मानकों का पालन किया गया। निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप मतदान दलों के साथ माइक्रो ऑब्जर्वर और वीडियो टीम भी मौजूद रही, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रही। अधिकारियों के अनुसार, ह्नहोम वोटिंगह्न व्यवस्था उन मतदाताओं के लिए बेहद मददगार साबित हो रही है जो शारीरिक रूप से मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच सकते। यह पहल आयोग की ह्नकोई मतदाता न छूटेह्न मुहिम को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। जिला प्रशासन ने सभी मतदान कर्मियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस व्यवस्था से लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी तथा हर नागरिक को अपने मताधिकार के प्रयोग का अवसर मिलेगा।

प्राथमिक विद्यालय जमुवा टोला में शरारती तत्वों ने मचाया उत्पात, दरवाजा काटकर किया हजारों का नुकसान

केसठ । प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जमुवा टोला में एक बार फिर शरारती तत्वों ने विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। इस घटना से शिक्षकों और स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार विक्रांत ने बताया कि गुरूवार की सुबह जब वे विद्यालय पहुंचे तो देखा कि स्कूल का मुख्य दरवाजा काटा गया है और अंदर पटाखा फोड़ा गया है। इस दौरान पंखा और अन्य सामान क्षतिग्रस्त पाया गया। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा को लेकर विद्यालय में लंबे समय तक छुट्टी थी, इसी दौरान अज्ञात लोगों ने विद्यालय में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि विद्यालय की संपत्ति को पहले भी क्षति पहुंचाई जा चुकी है। वर्ष 2022 में भी इसी तरह की घटना घटित हुई थी। घटना की सूचना मिलने पर प्रधानाध्यापक ने नावानगर थाना में सनहा दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि विद्यालय जैसी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना समाज के लिए शर्मनाक है।

चुनावी खर्च का हुआ बारीकी से मिलान, व्यय प्रेक्षक की मौजूदगी में खंगाले गए अभ्यर्थियों के खाते

■ कैश भुगतान की सीमा 10 हजार तय, सभी खर्च बैंक खाते से करने के निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के तहत बक्सर जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों द्वारा चुनाव अवधि में किए गए व्यय का द्वितीय लेखा मिलान गुरुवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किया गया। इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता व्यय प्रेक्षक धीरज कुमार गुप्ता ने की। बैठक में सभी अभ्यर्थी एवं उनके चुनाव अभिकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने अपने-अपने व्यय पंजी, बैंक स्टेटमेंट, कैश अकाउंट एवं अन्य खर्च से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत किए। व्यय प्रेक्षक की मौजूदगी में

लेखा दल ने अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत विवरणों का मिलान नियमित रूप से संधारित एसओआर रजिस्टर पर अंकित मदवार व्ययों से किया। अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक अभ्यर्थी की गतिविधियों की वीडियोग्राफी करवाई जा रही है। इन वीडियोग्राफियों के आधार पर तैयार क्यू-शीट में संबंधित व्यय का अंकन किया जाता है, जिसे बाद में अकाउंटिंग टीम द्वारा एसओआर रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। इससे वास्तविक खर्च और अभ्यर्थियों के प्रस्तुत आंकड़ों में पारदर्शिता बनी रहती है। व्यय प्रेक्षक गुप्ता ने विशेष रूप से अभ्यर्थियों के आपराधिक मामलों के प्रकाशन से जुड़े व्यय की भी बारीकी से जांच की। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप प्रत्येक अभ्यर्थी को अपने खर्च का पूरा ब्यौरा सही और प्रमाणिक रूप से प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस अवसर पर राज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि किसी भी अभ्यर्थी को एक व्यक्ति को नकद माध्यम से अधिकतम 10 हजार तक ही भुगतान करने की अनुमति है। इसके अलावा समस्त भुगतान और व्यय चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार अभ्यर्थी के नाम से संचालित बैंक खाते से ही किए जाने हैं। जांच के दौरान व्यय प्रेक्षक ने कहा कि व्यय मिलान प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा आयोग के दिशा-निदेर्शों का पालन नहीं किया गया या खर्च के विवरण में विसंगति पाई गई, तो संबंधित अभ्यर्थी को शो-कॉज जारी की जाएगी। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को सभी वित्तीय लेन-देन के दस्तावेज सुरक्षित रखने तथा निर्धारित प्रारूप में व्यय लेखा तैयार करने की हिदायत दी।

बक्सर जिला प्रशासन द्वारा यह कवायद चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

महागठबंधन की सरकार बनी तो हर परिवार को मिलेगी नौकरी, महिलाओं को 2500 : अजय राय

केटी न्यूज/बक्सर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बिहार के स्टार प्रचारक अजय राय ने आज बक्सर जिले के चौसा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले 6 नवंबर को बिहार की जनता महागठबंधन के पक्ष में मतदान कर राज्य की तस्वीर बदल दे। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर बिहार खुशहाली और विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

चौसा पहुंचने पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे के नेतृत्व में अजय राय का बैंड-बाजे और फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह स्वागत जुलूस और रोड शो के दौरान कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

अजय राय ने राजपुर विधानसभा क्षेत्र के पीपराढ़, तियरा, जलहरा, छितनडिहरा, इटाढ़ी सहित कई गांवों में जनसंपर्क कर लोगों से महागठबंधन के उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार आने पर हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। महिलाओं के खाते में हर माह 2500 डाले जाएंगे, बेरोजगारों को रोजगार शुरू करने के लिए 2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी और किसानों को फसलों का उचित मूल्य मिलेगा।

उन्होंने घोषणा की कि गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 25 लाख तक का मुफ्त इलाज, भूमिहीन परिवारों को तीन से पांच डिसमिल जमीन, सरकारी स्कूलों के छात्रों को कक्षा 8 से 12 तक फ्री टैबलेट और कंप्यूटर, तथा वृद्धा पेंशन 1500 प्रतिमाह दी जाएगी।

अजय राय ने कहा कि यह चुनाव बिहार के भविष्य का चुनाव है। अब समय है खुशहाली के रास्ते पर बढ़ने का, अन्याय और बेरोजगारी को खत्म करने का उन्होंने कहा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे, राजपुर विधानसभा प्रत्याशी विश्वनाथ राम, मुन्नी चौबे, मटरू राय, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संजय कुमार पांडे, रविंद्र राय, संजय दुबे, वीरेंद्र राम, श्रीमती निर्मला देवी, राजू यादव, सगुना खातून, मुमताज खातून, कुमकुम देवी, रूनी देवी, गुड्डू दुबे, कन्हैया यादव सहित हजारों कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:51 Page 4

सुभाषितम्

प्रयत्न देवता की तरह है जबकि भाग्य दैत्य की भांति, ऐसे में प्रयत्न देवता की उपासना करना ही श्रेष्ठ काम है। - गुरु रामदास

मनुस्मृति से चलेगी राजसत्ता, वर्ण व्यवस्था होगा आधार

भारत सरकार द्वारा लेबर पॉलिसी 2025 का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। इस ड्राफ्ट में मनुस्मृति का भी उल्लेख किया गया है। दरअसल मनुस्मृति में इस बात का उल्लेख है, कि वर्ण व्यवस्था के अंतर्गत मजदूरों की मजदूरी किस हिसाब से तय होनी चाहिए। किस तरह से समाज की सबसे कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा करनी चाहिए। केंद्र द्वारा जो ड्राफ्ट तैयार किया गया है उसमें कई हिंदू धर्म ग्रंथो का उल्लेख करते हुए मनुस्मृति के अनुसार मजदूरों के हितों का संवर्धन करने के साथ-साथ मजदूरी का भुगतान करने का नियम बनाया गया है। भारत सरकार ने ड्राफ्ट में नारद स्मृति, शुक्र नीति और अर्थशास्त्र के प्राचीन ग्रंथो को राजधर्म की अवधारणा के साथ जोड़कर उनका समावेश संवैधानिक व्यवस्था में किया है। भारत सरकार का मानना है श्रम कानून का उदय भारत के धार्मिक ग्रंथो के माध्यम से हुआ है। यह एक पवित्र और नैतिक कर्तव्य का प्रतीक है। सामाजिक एवं आर्थिक सद्भाव तथा सामूहिक समृद्धि के लिए यह धर्म ग्रंथ की भारतीय संस्कृति में व्यापक व्यवस्था की गई है। मनुस्मृति का दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक के गोत्र के अनुसार सामाजिक सृजन में सब की भूमिका बताई गई है। चाहे वह कारीगर हो, किसान हो, शिक्षक हो या औद्योगिक क्षेत्र का मजदूर हो सभी की व्यवस्था करने को मनुस्मृति ने स्वीकार किया है। शुक्र नीति भी कर्मचारी और नियोक्ता के बीच के संबंध किस तरीके के होने चाहिए इसके बारे में बताया गया है। भारतीय संविधान में पहली बार मनुस्मृति के नाम से लेबर पॉलिसी 2025 को तैयार किया जा रहा है। इसका आशय यह निकाला जा रहा है, कि केंद्र सरकार ने मनुस्मृति के सिद्धांतों की वापसी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडा को लागू करने के लिए अपना अंतिम कदम आगे बढ़ा दिया है। इस ड्राफ्ट की नीति के माध्यम से इतना तय हो गया है, कि जो संविधान अभी चल रहा है उसकी व्याख्या और उसमें परिवर्तन संघ और भाजपा अपने हिसाब से करेगी। भारत के न्यायालयों में पिछले 11 वर्षों में जिस तरह से एक ही विचारधारा के न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है, शासन के सभी प्रमुख पदों पर एक ही विचारधारा के लोगों को नियुक्त किया गया है, उसके बाद अब मनुस्मृति को लागू करना या हिंदू राष्ट्र बनाना ज्यादा दूर नहीं रह गया है। लेबर पॉलिसी के रूप में सरकार ने अपनी मनसा स्पष्ट कर दी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी सरकार के अनुसार ही लोकतांत्रिक व्यवस्था में धार्मिक आधार पर निर्णय करने लगी हैं। रामजन्म भूमि विवाद और अन्य कई मामले इसके उदाहरण हैं। पिछले एक दशक में जिस तरह से हर मोहल्ले, गांव और शहर में हिंदुत्व समर्थित धार्मिक आधार पर एक नेटवर्क खड़ा कर दिया गया है, उसके बाद मनुस्मृति को लागू करने में अब कोई बाधा भी नहीं रहेगी। राहुल गांधी जो आशंका व्यक्त कर रहे थे वह अब आशंका नहीं यथार्थ में बदल गई है। कहा जा रहा, कि पिछले कुछ वर्षों में चुनाव आयोग भी पूरी तरह से सरकार के निर्देश पर काम कर रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुसार अब भारत में चुनाव भी निष्पक्षता के साथ संभव नहीं रहे। सरकार जो परिणाम चाहेगी वहीं चुनाव आयोग घोषित करेगा। ऐसी स्थिति में भारत अब हिंदू राष्ट्र और मनुस्मृति से चलने वाला देश बनने जा रहा है। इसको रोक पाना वर्तमान स्थिति में किसी के लिए संभव नहीं है। जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं थीं वह सरकार के अनुसार ही काम कर रही हैं। संविधान की व्याख्या अपने हिसाब से कर रहे हैं। सारी ताकत केंद्र सरकार के पास निहित हो गई है। न्यायपालिका और कार्यपालिका भी सरकार के अधीन लग रही हैं। ऐसी स्थिति में मनुस्मृति और हिंदू राष्ट्र को स्वीकार करने के अलावा शायद अन्य कोई विकल्प बचा भी नहीं है। जनता भी भयभीत नजर आती है, वह अपने हितों को सुरक्षित करने के बजाय किसी भी तरह से उसका जीवन सुरक्षित रह जाए इस मानसिकता में आ चुकी है। जिसके कारण इस सरकार का विरोध भी आम लोगों के लिए संभव नहीं रहा।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है।

विविधता में एकता ही सर्वश्रेष्ठ भारत की पहचान

- राजकुमार सिन्हा

राष्ट्रीय एकता का अर्थ है किसी देश के नागरिकों के बीच एकजुटता और भाईचारे की भावना, जो उन्हें सांस्कृतिक, भाषाई या धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के रूप में जोड़ती है। इसमें संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और देश के लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता शामिल है, जो देश को एक इकाई के रूप में बांधता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें ह्लभारत का लौह पुरुषह्व कहा जाता है। इन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया। उनका मानना था कि ह्लहमारा कर्तव्य है कि हम भारत को एक और अखंड बनाए रखें। राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश के एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने तथा सुदृढ़ करने के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और देश के विभिन्न राज्यों, भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के बीच एकता की भावना को मजबूत करना है। भारत की राष्ट्रीय एकता आज भी मजबूत है, लेकिन वर्तमान समय में इसके सामने कुछ गंभीर चुनौतियां हैं जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर दिखाई देती

हैं। धर्म के आधार पर बढ़ती नफरत और हिंसा समाज में विभाजन पैदा कर रही है। कुछ असमाजिक तत्व काफी सक्रिय हैं जो भारत की एकता के लिए आंतरिक खतरा हैं, क्योंकि वे लोगों के मन में भय, असुरक्षा और अविश्वास पैदा करते हैं। उन्हें राजनैतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति और नफरत फैलाने वाली भाषा से समाज में विभाजन की भावना तेजी से बढ़ रही है। जातिगत भेदभाव अब भी समाज में मौजूद है, जो सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है। अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण के बीच बढ़ती खाई लोगों में असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा करती है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही है जो राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और नफरत फैलाने वाली झूठी खबरें समाज में गलतफहमी और अविश्वास पैदा कर रही है। लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र नागरिकों को समान अधिकार देता है, और राष्ट्रीय एकता उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता लोकतंत्र की मूल आत्मा है। जब सब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब ही ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व संभव होता है। महात्मा गांधीजी ने कहा था कि ह्लभारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है। वे धार्मिक सहिष्णुता, अहिंसा और साम्प्रदायिक सौहार्द को राष्ट्रीय एकता की नींव मानते थे। उनका विश्वास था कि सभी धर्मों और जातियों के लोग मिलकर ही स्वतंत्र भारत का निर्माण कर सकते हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ह्लएकता में विविधताह्व की भावना पर जोर दिया। वे भारत को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत को देखना चाहते थे, जहां सभी नागरिक समान हों। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कहा था कि सामाजिक समानता के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने संविधान में समान अधिकार और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित किया। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था कि ह्लराष्ट्रीय एकता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। ह्व वे जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए एकता का आह्वान करते थे। स्वाधीनता संग्राम के नेताओं का मानना था कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित एकता है। यही भावना आज भी देश को एक सूत्र में बांधे रखती है। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा भारत के इतिहास में एक अत्यंत प्रेरक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण आंदोलन था। यह यात्रा उनके राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संदेश को लेकर निकाली गई थी। 1980 के दशक में देश में बढ़ती धार्मिक और जातिगत हिंसा को देखकर उन्होंने यह यात्रा निकाली, ताकि लोगों में सौहार्द और मानवीय एकता की भावना जागे। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि मनुष्य से मनुष्य के बीच प्रेम, समानता और सामाजिक एकजुटता स्थापित करना था, ताकि भारत सचमुच ह्लएकता में अनेकताह्व का जीवंत उदाहरण बना रहे। बाबा आमटे के दूसरे चरण की भारत जोड़ो(1988 में पूरब के अरूणाचल प्रदेश से पश्चिम के ओखा गुजरात तक) यात्रा में मैं भी शामिल था। तब मुझे भारत की विविधता और स्थानीय लोगों के आतिथ्य और प्रेम का एहसास हुआ था। यात्रा का मुख्य नारा था कि जात - धर्म का बंधन तोडो, भारत जोड़ो, भारत जोड़ो। संविधान की प्रस्तावना में भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श दिए गए हैं जो राष्ट्रीय एकता का आधार हैं। संविधान की अनुच्छेद- 1 में भारत को ह्लराज्यों का संघ कहा गया है। यह देश की राजनीतिक एकता सुनिश्चित करता है। संविधान के मौलिक अधिकार के भाग(3) में अनुच्छेद 14 से 18 तक के अनुसार जाति, धर्म, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 19 से 22 तक सभी नागरिकों को समान स्वतंत्रता देता है। अनुच्छेद 25 से 28 तक धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अर्थात सभी धर्मों का समान सम्मान है। अनुच्छेद 51ए के अन्तर्गत नागरिकों का कर्तव्य है कि वे देश की एकता और अखंडता की रक्षा करें तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखें।

राजभाषा का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 343झ्र351 में वर्णित है जिसमें हिंदी को राजभाषा और अंग्रेजी को सहायक भाषा के रूप में स्वीकार कर भाषाई एकता बनाए रखी गई है। संविधान के अनुच्छेद 352झ्र360 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र सरकार को विशेष अधिकार देकर देश की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। ?अनुच्छेद - 355 के अन्तर्गत केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह राज्यों की सरकारों को बाहरी आक्रमण या आंतरिक अशांति से बचाए। संविधान न केवल अधिकार देता है बल्कि यह हर नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की एकता, अखंडता और बंधुता की भावना को सशक्त बनाए रखे। वर्तमान केन्द्र सरकार ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत की विविधता में एकता को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। इसमें विभिन्न राज्यों को जोड़ी राज्यह्व के रूप में जोड़ा गया ताकि सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक आदान-प्रदान बढ़े। आज भारत की राष्ट्रीय एकता को देश के अंदर से भी कुछ गंभीर खतरे हैं।

लौहपुरुष की जयंती : भारत को एकता के सूत्र में पिरोने वाले महान सरदार पटेल

- दिलीप कुमार पाठक

आज 31 अक्टूबर भारत के लिए बेहद खास है क्योंकि आज ही के दिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती है' लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में उनके जन्मदिन 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रति वर्ष मनाया जाता हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस का ऐलान 2014 में किया गया, इसे वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद में रखकर तय किया गया था' भारत की गणना विश्व के सबसे बड़े देशों में से एक के रूप में की जाती है जो कि पूरे विश्व में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, जहाँ 1652 के आसपास भाषा? और बोलियाँ बोली जाती है। यह देश दुनिया के सभी प्रमुख धर्मों को जैसे हिंदू, बौद्ध, ईसाई, जैन, इस्लाम, सिख और पारसी धर्मों को विभिन्न संस्कृति, खानपान की आदतों, परंपराओं, पोशाकों और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ शामिल करता है। भारत की जलवायु में काफी अन्तर के साथ एक विविधतापूर्ण देश है। देश में प्रमुख भिन्नता होने के बाद भी, इसका प्रत्येक भाग एक ही संविधान द्वारा बहुत शांति के साथ नियंत्रित है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद करीब पाँच सौ से भी ज्यादा देसी रियासतों का एकीकरण सबसे बड़ी समस्या थी। 5 जुलाई 1947 को सरदार पटेल ने रियासतों के प्रति नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि रियासतों को तीन विषयों - सुरक्षा, विदेश तथा संचार व्यवस्था के आधार पर भारतीय संघ में शामिल किया जाएगा। और यह बिल्कुल भी

आसान नहीं था, क्योंकि सदियों से चली आ रही व्यवस्था को बदलना एवं लागू करना आसान नहीं था, इसलिए ही तो सरदार वल्लभभाई पटेल को लौहपुरुष की उपाधि दी गई थी, ये उपाधि उनकी उपलब्धियां एवं उनके विराट व्यक्तित्व की पहचान कराती है' सरदार पटेल के स्पष्ट कर देने के बाद धीरे-धीरे बहुत सी रियासतों के शासक भोपाल के नवाब से अलग हो गए थे, और इस तरह नवस्थापित रियासती विभाग की योजना को सफलता मिली। भारत के तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया था जो स्वयं में संप्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के ठीक पूर्व (संक्रमण काल में) ही पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई राज्यों को भारत में मिलाने का कठिन काम आरम्भ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना सम्भव नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप तीन को छोडकर शेष सभी राजवाडों ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो गयीं। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब बहुत विरोध हुआ तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और जूनागढ़ भी भारत में मिल गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहाँ सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। एकता में सबसे बड़ा बाधक स्वहित हैं आज के समय में स्वहित ही सर्वोपरि हो गया है। आज जब देश आजाद हैं आत्म निर्भर हैं तो वैचारिक मतभेद उसके विकास में बेड़ियाँ बनी पड़ी हैं। आजादी के पहले इस फूट का फायदा अंग्रेज उठाते थे और आज देश के सियासी लोग। देश में एकता के स्वर को सबसे ज़्यादा बुलंद स्वतंत्रता सेनानी लोह पुरुष वल्लभभाई पटेल ने किया था। वे उस सदी में आज के युवा जैसी नयी सोच के व्यक्ति थे। वे सदैव देश को एकता का संदेश देते थे। उन्हीं को श्रद्धांजलि देने हेतु उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस का मंत्र है - एकता- मूलमंत्र हैं यह विकास का, देश के सौंदर्य और उद्धार का। हर एक शब्द भारी हैं, जब एकता में देश की हर कौम सारी हैं। एकता ही देश का बल हैं, एकता में ही सुनहरा पल हैं। जब तक रहेगी साठ गाठ, होता रहेगा देश का विकास। याद रखो एकता का मान, तब ही होगी देश आन। एकता में ही संबल हैं जिस देश में नही वो दुर्बल हैं, राष्ट्रीय एकता दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं है; यह प्रत्येक नागरिक से एकता की भावना को अपनाने का आह्वान है। एक ऐसी दुनिया में जो अक्सर विभाजित दिखाई देती है, सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा समर्थित मूल्य पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। इस दिवस को मनाते हुए, हम एक अखंड और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करें, भारत के लौहपुरुष की विरासत का सम्मान करते हुए एक ऐसा वातावरण विकसित करें जहाँ विविधता का सम्मान किया जाए और एकता को संजोया जाए। हम सब मिलकर अपने राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए प्रयास कर सकते हैं, जो अखंडता, सम्मान और एकजुटता के सिद्धांतों पर आधारित हो। आज पीढ़ियां स्वच्छंदता का जीवन जी रही हैं, इसके पीछे सरदार पटेल जैसी महान आत्माओ ने बलिदान देते हुए सर्वस्य न्यौछावर कर दिया था' हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनके सपनों का भारत बनाने में हम सब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें देश के महान नेता सरदार पटेल को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी'

जो झुका नहीं, जो टूटा नहीं, वही कहलाया लौहपुरुष सरदार पटेल

- श्वेता गोयल

राष्ट्रीय एकता की मिसाल रहे सरदार पटेल ने सदैव देशवासियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। समय-समय पर उन्होंने अपने वक्तव्यों द्वारा लोगों को आलस्य त्यागने, मेहनत करने, ईश्वर तथा सत्य में विश्वास रखने, अन्याय का डटकर मुकाबला करने जैसे प्रेरक संदेश दिए और देश के लिए कुछ अलग हटकर कार्य करने को प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि जो काम कल करना है, उसकी बातों में ही आज का काम बिगड़ जाएगा और आज के काम के बिना कल का काम नहीं होगा, इसलिए आज का काम कीजिए तो कल का काम अपने आप हो जाएगा। कल हमें कोई मदद देने वाला है, सही सोचकर अगर आज बैठे रहे तो आज भी बिगड़ जाएगा और कल तो बिगड़ेगा ही। कोशिश करना हमारा फर्ज है और अगर हम अपने फर्ज को ही पूरा न करें तो हम ईश्वर के गुनाहगार बनते हैं। कर्म पूजा है लेकिन हास्य जीवन है और जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है, उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। पिछला दुखड़ा रोना कायरों का काम है और हिसाब लगाकर मुकाबले की तैयारी करना बहादुरों का काम है। कठिन समय में कायर लोग बहाना ढूंढ़ते हैं जबकि बहादुर व्यक्ति रास्ता खोज लेते हैं। उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिए। सरदार पटेल कहते थे कि बेकार मत बैठिये क्योंकि बेकार बैठने वाला अपना ही सत्यानाश कर डालता है। रात-दिन कार्य करने वाला अपनी इन्द्रियों को आसानी से वश में कर लेता है, इसलिए आलस्य छोड़िये। उनका कहना था कि अगर कोई चीज मुफ्त मिलती है तो उसकी कीमत कम हो जाती है जबकि परिश्रम से पाई हुई चीज की कीमत ठीक तरीके से लगाई जाती है। लोगों को मेहनत और कर्म करने के लिए प्रेरित करते हुए वह कहते थे कि यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि किनारे पर ही खड़े रहने वाले लोग तैरना भी नहीं सीखते। अहिंसा का समर्थन करते हुए सरदार पटेल का कहना था कि कायरों की अहिंसा का कोई मूल्य नहीं है। जो तलवार चलाना जानते हुए भी तलवार को म्यान में रखता है, उसी की अहिंसा सच्ची अहिंसा होती है। वह कहते थे कि आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अपने मजबूत हाथों से अन्याय का डटकर सामना कीजिए। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सदैव कहते थे कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उनका कहना था कि हमारा सिर कभी न झुकने वाला होना चाहिए। हमें केवल भगवान के आगे झुकना चाहिए, दूसरों के आगे नहीं। जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है, वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीवन जीता है। हमें सदैव ईश्वर और सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए। यहां तक कि अगर हम हजारों की दौलत भी गंवा दें और हमारा जीवन बलिदान हो जाए तो भी हमें मुस्कुराते रहना चाहिए। बहुत बोलने से कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। हमें गम खाना सीखना चाहिए और मान-अपमान सहन करने की आदत डालनी चाहिए। सरदार पटेल को देश के छोटे से छोटे स्तर के व्यक्ति की भी कितनी चिंता थी, उसी को व्यक्त करते हुए उन्होंने एक बार कहा था कि उनकी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भी व्यक्ति अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे। वह कहते थे कि हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए, उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष प्रॉपर्टी से जुड़े कार्यों में लाभ मिलता दिख रहा है। जायदाद में निवेश पर अच्छा मुनाफा हो सकता है।

तुला आज शिक्षा और ज्ञान में उन्नति का दिन है। नई स्किल सीखने के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ आज उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। राशि स्वामी शुक्र शुभ फल दे रहे हैं।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। खर्चे बढ़ने की संभावना है।

मिथुन व्यवहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बिना सोचे कहना गलतफहमी पैदा कर सकता है।

धनु आज भाग्य मजबूत रहेगा। आपके रुके कार्य पूरे होंगे। करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धि मिल सकती है।

कर्क दिन थोड़ा परेशान करने वाला है। आज परिवार के छोटे सदस्यों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मकर आज धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। पूर्वजों की वित्तीय से लाभ मिलने की संभावना है।

सिंह परोपकार और धार्मिक कार्यों में बीतेगा। समाज सेवा से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं।

कुंभ आज आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। कुंभ राशि के लोगों की योजनाएं आज सफल होंगी।

कन्या आज भाग्य पूरा साथ देगा। इस दौरान लंबे समय से चली आ रही परेशानियां भी दूर होंगी।

मीन मीन राशि वालों को आज ननिहाल पक्ष से सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा।

विशेष

एसआईआर और चुनाव आयोग

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग किसी भी राजनीतिक दल की बात नहीं मान रहा है। सुप्रीम कोर्ट में अभी सुनवाई चल रही है। इसके बाद भी 12 राज्यों में एसआईआर शुरू कर दी गई है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट की इमेज दांव पर लग गई है ।लोग कहने लगे हैं, सुप्रीम कोर्ट में केवल तारीख पर तारीख मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट आम जनता और राजनीतिक दलों की आपत्ति पर ध्यान नहीं दे रही है। सुप्रीम कोर्ट मे पिछले 5 महीने से सुनवाई हो रही है। चुनाव आयोग के सामने सुप्रीम कोर्ट बेबस है। न्याय पालिका न्याय करेगी अब इसका विश्वास आम आदमियों को नहीं रहा ।आम जनता मानकर चल रही है। सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग और सरकार के पक्ष मे है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं अधिकांश राज्य एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। आगे क्या होगा, भगवान मालिक है।

बिहार के चुनाव में वोट चोरी?

बिहार विधानसभा का चुनाव प्रचार चरम पर है। काफी लंबे इंतजार के बाद राहुल गांधी बिहार पहुंचे हैं। एक बार फिर उन्होंने वोट चोरी का मुद्दा छेड़ दिया है। राहुल गांधी कुछ भी करें। चुनाव परिणाम तो आयोग को घोषित करने हैं ।जैसा चुनाव परिणाम भाजपा चाहेगी, वैसा चुनाव परिणाम घोषित हो जाएगा। जो जीता वही सिकंदर, जिनकी किस्मत में हार लिखी है, उसे भगवान भी नहीं बदल सकता, चुनाव आयोग यही मानकर चलता है। भाजपा बेफिक्र है, चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट जब उसके साथ है, तो उसे चुनाव कौन हरा सकता है। अब लोग रावण की याद करने लगे हैं ।रावण ने नौ ग्रहों को अपने पास कैद करके रखा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1795: ब्रिटिश कवि जान कीट्स का जन्म। 1875: वल्लभ भाई पटेल का जन्म। 1918: हंगरी के प्रधानमंत्री काउंट टिजा की हत्या कर दी गई। 1956: ब्रिटेन और फ्रांस ने स्वेज युद्ध में मिस्त्र के वायु सैनिक अड्डों पर बमबारी की। 1962: राष्ट्र संघ महासभा ने दक्षिणी रोडेशिया में नए संविधान का क्रियान्वयन निलंबित करने का आग्रह ब्रिटेन से किया। 1963: ब्रिटेन ने इंडोनेशिया को सहायता रोकने की घोषणा हुई। 1966: मिहिर सेन ने पनामा नहर को तैर कर पार किया। 1984: प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके सुरक्षाकर्मियों ने कर दी। 1984: राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 1987: ईरान युद्ध विराम लागू करने के लिए सहमत हुआ। 1988: फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति फडीनांड मार्कोस के पत्नी इमेल्डा मार्कोस ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया।

दैनिक पंचांग

31 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.22 ब.से
चंद्र	कुंभ में	धनु	09.38 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.44 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.30 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.03 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.33 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.14 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.12 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.25 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.41 बजे से
10.30 से		कन्या	02.53 बजे से
12.00 बजे तक		तुला	05.04 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 304 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 10.04 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 18.51 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 06.16 बजे तदनन्तर वृद्धि 04.32 बजे को प्रात: समाप्त। **करण** कौलव 10.04 बजे तदनन्तर तैतिल 21.44 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 14° 07' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872514 **जूलियन दिन** 2460979.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 08 **विशेष** अक्षय नवमी, जगद्धात्री पूजा।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक	रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक	काल	07.11	से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक	चर	02.51	से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक	रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:51 Page 5

संक्षिप्त समाचार

रांची में पकड़ा गया 25 क्विंटल प्रतिबंधित मांस, राज्य से बाहर ले जाने की थी तैयारी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के लोअर बाजार इलाके से भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है. एक बड़े ट्रक और एक छोटे वाहन में भरे प्रतिबंधित मांस को रांची पुलिस ने जब्त किया है. इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को भी गिरफ्तार किया है. रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र से 25 क्विंटल से ज्यादा प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है. रांची एसएसपी राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मांस एकत्र किया गया है, जिसे एक बड़े ट्रक और एक छोटे वाहन में लोड कर राज्य से बाहर ले जाने की तैयारी की जा रही है. सूचना पुख्ता होने पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें लोअर बाजार थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया. जांच के दौरान रांची के खेलगांव के पास एक ट्रक पकड़ा गया, जिसमें प्रतिबंधित मांस भरा हुआ था. मौके से दो लोगों को पकड़ा गया, पकड़े गए लोगों ने बताया कि प्रतिबंधित मांस रांची के लोअर बाजार से लाया जा रहा था. जिसके बाद पुलिस की टीम द्वारा मामले में कार्रवाई करते हुए लोअर बाजार इलाके में अचानक छापेमारी की गई. तब मौके पर ही दो और लोगों को पकड़ा गया, जो प्रतिबंधित मांस को ट्रक पर लोड कर रहे थे. तलाशी के क्रम में वाहनों में भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है. चार आरोपियों के पकड़े जाने और प्रतिबंधित मांस को जब्त करने के बाद पुलिस के द्वारा वेटनरी डॉक्टरों को जांच के लिए मौके पर बुलाया गया. जांच के दौरान डॉक्टरों द्वारा प्रतिबंधित मांस होने की पुष्टि पाई गई. जानकारी के अनुसार, प्रतिबंधित मांस को रांची में ही इकट्ठा किया गया था. दोनों वाहनों के माध्यम से प्रतिबंधित मांस को राज्य से बाहर भेजा जाना था लेकिन उससे पहले ही पुलिस को ये जानकारी मिल गई. गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि प्रतिबंधित मांस को कोलकाता ले जाया जाना था. इस काम में दर्जन भर लोग शामिल हैं. अब तक इस मामले में चार लोग गिरफ्तार हुए हैं. वहीं मौके से दो फरार होने में कामयाब हो गए. पूरे नेटवर्क के खुलासे के लिए पुलिस की टीम काम कर रही है.

इस साल 18 नवंबर से गूंजेगी शहनाई, शादियों के सीजन से पहले नोट करें शुभ मुहूर्त

रांची, एजेंसी। श्री हरि विष्णु चार माह बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी, एक नवंबर को योग निद्रा से जागृत होंगे। भगवान विष्णु के निद्रा से जागृत होने के बाद मांगलिक कार्य आरंभ होगा।16 नवंबर (रविवार) को सूर्य के तुला राशि से निकलकर वृश्चिक राशि में आने से शादी-ब्याह का दौर आरंभ हो जाएगा। शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त चातुर्मास की समाप्ति के बाद 18 नवंबर से आरंभ होगा। छह दिसंबर के बाद शादी-ब्याह पर विराम लग जाएगा। पंडित रामदेव पांडेय ने पंचांगों के हवाले से बताया कि मिथिला पंचांग के अनुसार 10 तो बनारसी पंचांग के अनुसार 13 मुहूर्त है। बनारसी पंचांग के अनुसार नवंबर में नौ तथा दिसंबर में चार वैवाहिक लग्न है। मिथिला पंचांग के अनुसार नवंबर में सात एवं दिसंबर में तीन दिन शुभ विवाह मुहूर्त है। 11 दिसंबर गुरुवार को पूर्व दिशा में शुक्र ग्रह के अस्त होने तथा वृद्धत्व दोष के कारण 8 दिसंबर सोमवार से विवाहादि शुभ कार्य नहीं होगा। 2026 के पहले मास जनवरी में खरमास की समाप्ति के बाद एवं शुक्र ग्रह के अस्त होने से शादी-ब्याह नहीं होंगे। एक फरवरी की शाम छह बजे शुक्र के उदित होने के साथ शादी-ब्याह का सिलसिला आरंभ होगा। शादी-विवाह के लिए शुभ मुहूर्त का होना बड़ा महत्वपूर्ण होता है। वैवाहिक बंधन को सबसे पवित्र रिश्ता माना गया है। इसलिए इसमें शुभ मुहूर्त का होना जरूरी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शादी के शुभ योग के लिए बृहस्पति, शुक्र और सूर्य का शुभ होना जरूरी है। रवि गुरु का संयोग सिद्धिदायक और शुभफलदायी होते हैं। इन तिथियों पर शादी-विवाह को बेहद शुभ माना गया है। शादी के शुभ लग्न व मुहूर्त निर्णय के लिए वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु एवं मीन लग्न में से किन्ही एक का होना जरूरी है। वहीं नक्षत्रों में से अश्विनी, रेवती, रोहिणी, मृगशिरा, मूल, मघा, चित्रा, स्वाति, श्रवणा, हस्त, अनुराधा, उत्तरा फाल्गुन, उत्तरा भद्र व उत्तरा आषाढ़ में किन्ही एक का रहना जरूरी है। अति उत्तम मुहूर्त के लिए रोहिणी, मृगशिरा या हस्त नक्षत्र में से किन्हीं एक की उपस्थिति रहने पर शुभ मुहूर्त बनता है। पंडित राकेश झा ने कहा कि यदि वर और कन्या दोनों का जन्म ज्येष्ठ मास में हुआ हो तो उनका विवाह ज्येष्ठ में नहीं होगा।तीन ज्येष्ठ होने पर विषम योग बनता है और ये वैवाहिक लग्न में निषिद्ध है। विवाह माघ, फाल्गुन, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़ एवं अगहन मास में हो तो अत्यंत शुभ होता है।

टाटा मोटर्स के सर्वर में सेंध, 70 टीबी डेटा लीक, कंपनी ने मानी गलती

सुरक्षा शोधकर्ता ईटन ज्वेरे के अनुसार, कंपनी के फ्लीट मैनेजमेंट प्लेटफार्म फ्लीटएज में भी ऐसी ही खामी मिली

जमशेदपुर, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स के डिजिटल सुरक्षा तंत्र में एक बड़ी सेंधमारी का मामला सामने आया है, जिसमें 70 टेराबाइट (टीबी) से अधिक संवेदनशील डेटा उजागर हो गया। यह घटना कंपनी के कई डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर सुरक्षा में एक नहीं, बल्कि कई गंभीर खामियों का परिणाम थी।

इस लीक में लाखों ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी, कंपनी के आंतरिक वित्तीय रिकार्ड और डीलरों से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा शामिल हैं। हालांकि, टाटा मोटर्स ने स्वीकार किया है कि ये कमजोरियां मौजूद थीं, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि 2023 के अंत तक इन सभी को पूरी तरह से ठीक कर दिया गया है। यह खुलासा सुरक्षा शोधकर्ता ईटन ज्वेरे ने किया, जिन्होंने 2023 में इन कमजोरियों का पता लगाकर कंपनी को सूचित किया था। इस व्यापक डेटा लीक का मूल कारण बेहद साधारण लेकिन खतरनाक गलतियां थीं, जिन्हें तकनीकी भाषा में खराब कुंजी प्रबंधन (की मैनेजमेंट) कहा जाता है। सबसे बड़ी गलती कंपनी के स्पेयर पार्ट्स बेचने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफार्म ई-दुकान पर हुई। यहां वेबसाइट के पब्लिक सोर्स कोड में अमेजन वेब सर्विसेज की एक्सेस-की (सर्वर की एक तरह की डिजिटल चाबी) सादे टेक्स्ट में मौजूद थी। यह ऐसा था मानो किसी ने अपने डिजिटल खजाने की चाबी मुख्य दरवाजे पर ही लटका दी हो, जिसे कोई भी उठाकर इस्तेमाल कर सकता था।

इस एक गलती से ग्राहकों के लाखों चालान, जिनमें उनके नाम, पते और पैन नंबर जैसी निजी जानकारियां थीं, उजागर हो गए। इस चाबी का इस्तेमाल सिर्फ एक छोटी सी 4-किलोबाइट की फाइल डाउनलोड करने के लिए हो रहा था, जिसके लिए इतना बड़ा जोखिम लिया गया।

सुरक्षा शोधकर्ता ईटन ज्वेरे के अनुसार, कंपनी के फ्लीट मैनेजमेंट प्लेटफार्म फ्लीटएज में भी ऐसी ही खामी मिली। यहां भी सर्वर की चाबियां थीं, जो पहली नजर में एन्क्रिप्टेड (सुरक्षित कोड में बदली हुई) लग रही थीं, लेकिन यह सुरक्षा सिर्फ एक छलावा थी, क्योंकि इसे कोई भी सामान्य तकनीकी जानकारी रखने वाला व्यक्ति कुछ ही सेकंड में डिक्रिप्ट कर सकता था।

इस लापरवाही से 1996 तक का लगभग 70 टीबी का ऐतिहासिक फ्लीट इंटेलिजेंस डेटा उजागर हो गया, जिसमें वाहनों की लाइव ट्रैकिंग जानकारी भी शामिल थी।

ई-दुकान के कोड में एक और बड़ी खामी मिली, जिसने डेटा एनालिटिक्स टूल टेबलो के लिए एक तरह का पिछला दरवाजा खोल दिया। इससे बिना पासवर्ड के सिर्फ यूजरनेम का उपयोग करके सर्वर एडमिन के रूप में लॉग इन किया जा सकता था, जिससे कंपनी की सभी गोपनीय वित्तीय रिपोर्ट, डीलर स्कोरकार्ड और आठ हजार से अधिक आंतरिक उपयोगकर्ताओं का डेटा खतरे में पड़ गया था।

सुरक्षा शोधकर्ता ईटन ज्वेरे ने अगस्त 2023 में भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सर्ट-इन) के माध्यम से टाटा मोटर्स को इन कमजोरियों की सूचना दी थी। टाटा मोटर्स के कम्युनिकेशंस प्रमुख सुदीप भल्ला ने पुष्टि की कि कंपनी ने तुरंत कार्रवाई की और इन खामियों को दूर किया।

उन्होंने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि 2023 में पहचान के बाद रिपोर्ट की गई खामियों और कमजोरियों की पूरी तरह से समीक्षा की गई और उन्हें तुरंत ठीक किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी अब अपने सिस्टम की संदिग्ध गतिविधियों के लिए लगातार निगरानी करती है और नियमित रूप से थर्ड-पार्टी सुरक्षा आडिट भी कराती है।

07

चतरा में राहुल सिंह गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

चतरा, एजेंसी।

चतरा पुलिस ने राहुल सिंह गिरोह के चार हथियारबंद अपराधियों को गिरफ्तार कर एनटीपीसी टंडवा फायरिंग कांड का खुलासा किया है। टंडवा एसडीपीओ सह एएसपी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने पिपरवार थाना क्षेत्र के कारो मैदान से इन अपराधियों को पकड़ा।

पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि ये अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष जांच दल (स्क्वड) का गठन किया गया। टीम ने कारो मैदान के पास छापेमारी कर चारों सदस्यों को धर दबोचा।

चार हस्तलिखित पर्चे बरामद

गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 7.65 एमएम के दो पिस्टल, 7.65 एमएम की 10 जिंदा गोलियां, तीन एंड्रॉयड फोन और गिरोह के नाम से लिखे राहुल सिंह आज़ाद सरकार के चार हस्तलिखित पर्चे बरामद किए हैं। एसडीपीओ बरवार ने बताया कि इन गिरफ्तारियों से खलारी कोयलांचल और एनटीपीसी टंडवा क्षेत्र में हुई दो प्रमुख आपराधिक वारदातों का खुलासा हुआ है। इनमें राजधर रेलवे साइडिंग और टंडवा में फ्लाई ऐश की गाड़ियों पर की गई फायरिंग की घटनाएं शामिल हैं।

गिरोह का मुख्य उद्देश्य रंगदारी वसूलना

पुलिस के अनुसार, राहुल सिंह गिरोह कोयलांचल क्षेत्र में अपना आतंक कायम करना चाहता था। गिरोह का मुख्य उद्देश्य कोयला कारोबार से जुड़े लोगों, ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों के बीच दहशत फैलाकर मोटी

सिदगोड़ा में पुलिस से मुठभेड़ में अपराधी घायल, हरेराम सिंह के घर पर चलायी थी गोली

जमशेदपुर, एजेंसी। सिदगोड़ा थाना अंतर्गत बारीडीह हाईस्कूल के पास केटू कंडम क्वार्टर में सोमवार की देर रात पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गयी. जिसमें गोलमुरी गाढ़ाबासा निवासी रवि महानंद उर्फ गोपाल कुमार घायल हो गया. उसके दाहिने पैर में एक गोली लगी है. पुलिस ने गोपाल के पास से एक पिस्टल और गोली बरामद की है. घायल गोपाल का एमजीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना रात 1:50 बजे की है. घायल गोपाल पिछले दिनों भुइयांडीह में कारोबारी हरेराम सिंह के घर पर गोली चलाने में शामिल था. घायल गोपाल गैंगस्टर प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोह से जुड़ा है. गोपाल पर गोलमुरी थाना में छिनतई का केस दर्ज है. पुलिस को काफी दिनों से गोपाल की तलाश थी. हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग मामले में पुलिस ने पूर्व में टेल्को लक्ष्मीनगर निवासी आकाश सिंह को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आकाश के पास से पुलिस ने तीन पिस्तौल और भारी मात्रा में गोली बरामद की है. जानकारी के अनुसार पुलिस को भनक मिली लगी कि गोपाल बारीडीह हाइस्कूल के पास एक कंडम क्वार्टर में छुपा है. जिसके बाद डीएसपी भोला प्रसाद, सीतारामडेरा थाना प्रभारी निरंजन कुमार, सिदगोड़ा थाना प्रभारी बीरेंद्र कुमार दल-बल से क्वार्टर के पास पहुंचे और घेराबंदी कर दी. जिस वक्त पुलिस ने घेराबंदी की गोपाल शराब पी रहा था. पुलिस द्वारा घेरे जाने पर गोपाल ने कमरे के अंदर से ही पुलिस पर दो राउंड फायरिंग कर दी. जिसके बाद वह भागने के लिए जैसे ही उठा सीतारामडेरा थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने गोली चला दी. गोली गोपाल के दाहिने पैर में लगी, जिससे बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया।

जमशेदपुर में मुठभेड़ के दौरान फरार आकाश सिंह गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह स्थित टाटा स्टील के खाली पड़े क्वार्टर (के-2/74) में हुई मुठभेड़ के दौरान फरार आरोपी आकाश सिंह उर्फ लालू को पुलिस ने मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। सीतारामडेरा स्लैग रोड पर घेराबंदी कर टेल्को लक्ष्मीनगर निवासी आकाश को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने मुठभेड़ में घायल रवि महानंद उर्फ गोपला के साथ कई आपराधिक वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की। रवि महानंद एमजीएम अस्पताल में इलाजरत है।

रंगदारी न देने पर हत्या की योजना बनाई गई थी : सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि पूछताछ में आकाश ने हरेराम सहित शहर के एक दर्जन व्यवसायियों से रंगदारी वसूलने की साजिश का खुलासा किया। रंगदारी न देने पर फायरिंग व हत्या की योजना बनाई गई थी। गिरोह ने रांची से हथियार मंगाने के लिए सुजीत सिन्हा, उसकी पत्नी रिया सिन्हा व बबलू खान की मदद ली थी। हथियार आकाश ने ही गोपला को दिए थे, जिसने फायरिंग की।

रंगदारी और फायरिंग की साजिश का खुलासा : आकाश सिंह और उसके साथी दशरथ शुक्ला ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने 10 अक्टूबर को व्यवसायी हरेराम सिंह के घर फायरिंग की थी। इसके पीछे रंगदारी और बदले की भावना मुख्य कारण थी। दोनों पहले हरेराम सिंह और उनके बेटे हरीश सिंह के व्यवसाय से जुड़े थे और उन्हें हर महीने 10 हजार रुपए वेतन मिलता था।

छह महीने पहले सरकारी शराब दुकान का ठेका मिलने वाला था, तब हरीश सिंह ने उन्हें काम देने का वादा किया था। पर ठेका ग्वालियर निवासी प्रेम नारायण शिवहरे को मिलने से नाराज होकर दोनों ने कुख्यात सुजीत सिन्हा से संपर्क साधा और रंगदारी की योजना बनाई।

दुबई से जुड़ा अंतरराज्यीय गैंग कनेक्शन : सुजीत सिन्हा ने दुबई में रह रहे गैंगस्टर प्रिंस खान से संपर्क कर हरेराम सिंह परिवार को टारगेट करने की योजना बनाई। दुर्गापूजा की षष्ठी से ही हरेराम सिंह को रंगदारी के फोन आने लगे। घाघीडीह जेल से रिहा कुछ अपराधियों के मोबाइल नंबरों से कॉल और व्हाट्सऐप संदेशों के ज़रिए एक करोड़ रुपए की मांग की गई। पैसे न मिलने पर तीन अक्टूबर से रेकी शुरू की गई और 10 अक्टूबर की सुबह पौने पांच बजे हरेराम सिंह के घर फायरिंग की गई।

अब तक की कार्रवाई : 23 अक्टूबर को बुंडू पुलिस ने दशरथ शुक्ला को तीन पिस्तौल और कई गोलियों के साथ गिरफ्तार किया था। उसने कबूला था कि हरेराम के घर पर फायरिंग प्रिंस खान के इशारे पर हुई थी। इसके बाद आकाश सिंह और रवि महानंद उर्फ गोपला की गिरफ्तारी हुई। इन कार्रवाइयों से गिरोह की गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ा है और पुलिस की सतर्कता से अपराधियों की बड़ी साजिश नाकाम हो गई है।

गिरिडीह में गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व : निकाली गई प्रभात फेरी

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गुरुवार सुबह गिरिडीह में प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में सिख संगत शामिल हुए। 30 अक्टूबर से शुरू हुए कार्यक्रमों की यह श्रृंखला 5 नवंबर तक चलेगी।

प्रभात फेरी पंजाबी मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा साहिब से शुरू हुई। यह मकतपुर चौक, जिला परिषद चौक और टावर चौक से होते हुए बक्सीडीह में एक सिख परिवार के आवास पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में धन गुरु नानक प्यारे और कौन जाने गुण सतगुरु तेरे जैसे गुरबाणी कीर्तन की मधुर ध्वनि गूंजती रही, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।

विभिन्न जत्थे नगर भर में कर्तव्य एवं सेवा का प्रदर्शन करेंगे : प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 4 नवंबर को एक भव्य शोभा यात्रा (नगर कीर्तन) निकाली जाएगी। इसमें गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई में पंज प्यारे, निशान साहिब और

विभिन्न जत्थे नगर भर में कर्तव्य एवं सेवा का प्रदर्शन करेंगे। झांकियां, कीर्तन और संगतों की सहभागिता इस नगर कीर्तन को भव्यता प्रदान करेगी।

इसके बाद, 5 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम के रूप में गुरु नानक जयंती मनाई जाएगी। इस दिन विशेष कीर्तन दरबार, शबद-संकीर्तन, अरदास और गुरु का लंगर आयोजित किया जाएगा।

संगतों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया : इन आयोजनों से गिरिडीह में सिख समुदाय सहित आम जनता में भी श्रद्धा और भक्ति का भाव देखा जा रहा है। प्रभात फेरी के समापन स्थल पर संगतों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान महिला संगतों द्वारा शब्द-कीर्तन और अरदास का आयोजन हुआ। आयोजकों ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों, मानवता, एकता और सेवा के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए, जिन्होंने गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

लातेहार में युवती का शव पेड़ से लटका मिला:हत्या की आशंका पर परिजनों ने तीन घंटे सड़क किया जाम

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के भगिया गांव में 20 वर्षीय युवती सोनी कुमारी का शव पेड़ से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए बुधवार को बालूमाथ के शहीद चौक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर शव रखकर तीन घंटे तक सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टमॉर्टम के बाद युवती के पिता सत्येंद्र राम, चाचा अरुण राम और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवागमन कई घंटों तक बाधित रहा।

सूचना मिलने पर बीडीओ सोमा उरांव, इंस्पेक्टर परमानंद बिरुआ और थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजा, परिवार की सुरक्षा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चला जाम हटाया गया। परिजनों के अनुसार, सोनी कुमारी मंगलवार सुबह बिना बताए घर से निकली थी। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान हरिजन टोला के पास जंगल में ग्रामीणों ने एक पेड़ पर युवती का शव लटका देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर बालूमाथ थाना के सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि सोनी का किसी से कोई विवाद नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि युवती की हत्या कर उसे पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई है। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि यह हत्या का मामला है या आत्महत्या का, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

गुमला-रांची एनएच में अंडरपास बनाए जाएं : आशा

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने एनएचएआई के अफसरों को निर्देश दिया कि गुमला-रांची एनएच 43 में अंडरपास एवं कट बनाए जाएं। इसके नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को दिक्कतें हो रही हैं। यह निर्देश उन्होंने आयोग की दिल्ली में हुई बैठक में दिया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने की। बैठक में एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव समेत संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों के समक्ष झारखंड राज्य से संबंधित मुद्दों को रखा गया। आशा लकड़ा ने कहा कि गुमला-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-43) से जुड़े विभिन्न गांव के ग्रामीणों ने एनसीएसटी के समक्ष अंडरपास नहीं होने की समस्या से हो रही परेशानी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि गुमला-रांची एनएच-43 स्थित बेड़ो, जरिया टोली, सिघवा टोली, जरिया पीपर टोली, नहर टोली व पुराना जरिया टोली के समीप अंडरपास की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें आवागमन में काफी परेशानी हो रही है।एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि एनएच स्थित सभी टोल गेट के यात्री शेड के पास पीने का पानी की सुविधा उपलब्ध कराएं। बैठक में एनसीएसटी के सदस्य निरूपम चाकमा व जाटोतु हुसैन नायक, आयोग के सचिव प्रशांत कुमार सिंह आदि मौजूद थे। बैठक में भारत माला प्रोजेक्ट के तहत गोला-राजरप्पा मार्ग पर अधिग्रहित जमीन के मुआवजे पर भी चर्चा की गई। डॉ. आशा लकड़ा ने बताया कि ग्रामीणों की जमीन का मुआवजा देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को दो करोड़ 92 लाख 54 हजार रुपये दिया जा चुका है।

प्रदेश में मोथा का प्रकोप जारी, कई जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में चक्रवाती तूफान मोंथा का असर लगातार जारी है। बुधवार को सुबह से लेकर शाम तक शहर में रुक-रुककर भारी बारिश होती रही।

इस अचानक बदले मौसम ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया। बारिश के कारण कई जगहों पर सड़कों पर पानी भीर भर गया। इस दौरान ऑफिस व स्कूल जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से रूक-रूक कर हुई झमाझम बारिश के कारण कई यात्री सड़क किनारे फंसे नजर आए। यात्रियों को बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मोंथा का असर 31 अक्टूबर तक राज्यभर में बना रहेगा। इस दौरान रांची, बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़ और धनबाद समेत कई जिलों में बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, 2 नवंबर से मौसम में सुधार की उम्मीद जताई गई है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि जैसे ही बादल छटेंगे, रांची समेत पूरे राज्य में तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की जाएगी। अगले कुछ दिनों में रांची का न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक

नीचे जा सकता है। यानी, बारिश थमते ही शहर में ठंड के मौसम की शुरुआत हो जाएगी।

हालांकि, अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होगा, लेकिन नवंबर के पहले हफ्ते से ठंड का असर महसूस किया जा सकेगा।

मौसम विभाग ने झारखंड के अधिकांश हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग की ओर से लोगों को सावधानी बरतने की अपील की गई है। गुरुवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, कई इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है।

2 नवंबर को रांची में कोहरा और धुंध छाने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सुबह के समय दृश्यता कम हो सकती है, जबकि दोपहर के बाद मौसम शुष्क रहेगा। इससे यात्रियों और वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पिछले कुछ दिनों से झारखंड में मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वहीं, दूसरी ओर अचानक बढ़ी ठंड ने सर्दी की आहट दे दी है। दुकानदारों ने गर्म कपड़ों की बिक्री शुरू कर दी है और सुबह-शाम लोगों ने हल्के ऊनी कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं।

मौसम विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि तेज हवाओं और बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचें और मौसम विभाग के नवीनतम अपडेट पर नजर रखें। चक्रवाती तूफान मोंथा के गुजरने के बाद जहां मौसम साफ होगा, वहीं ठंड की दस्तक भी महसूस की जाएगी। आने वाले दिनों में रांची की सुबहें कोहरे से ढकी और शामें ठंडी हवा से सिहराती नजर आएंगी। कुल मिलाकर, मोंथा के जाते-जाते झारखंड में सर्दी का मौसम अपने कदम रखता हुआ दिखाई दे रहा है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:52 Page 6

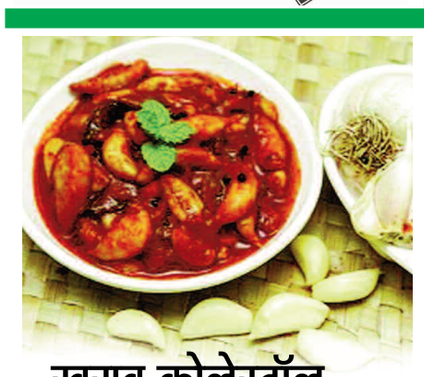

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है लहसुन, डाइट में करें शामिल

भारतीय रसोई में खाने बनाने में लहसुन का खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल व औषधीय गुण होते हैं। इसका कच्चा सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आयुर्वेद में भी लहसुन का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज में होता है। आप इसे सब्जी में मिलाकर या कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं लहसुन का अचार खाने के फायदे.

कोलेस्ट्रॉल करें कम

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद औषधीय गुण शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहता है।

कैंसर का खतरा करें कम

लहसुन में ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम होता है। यह ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने मे मददगार होता है। इसके सेवन से प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसकी तेज गंध कैंसर और दिल संबंधी रोगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है।

फेफड़े का बेहतर विकास

एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर हफ्ते कच्ची लहसुन खाने से फेफड़ों का बेहतर विकास होता है। वहीं लोग इसे कच्चा नहीं खाना पसंद करते वे लहसुन का अचार खा सकते हैं। अध्ययनों के मुताबिक फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन खाने से अपच, गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट में जलन आदि पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप इसे कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बना कर खा सकती है।

आंखों की सेहत रखें दुरुस्त

लहसुन इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के अचार में बीटा कैरोटीन अधिक होने से आंखों से जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण जोड़ों के दर्द फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों में दर्द, सूजन की से बचाव रहता है। इसके लिए आप कच्चा लहसुन, नमकीन लहसुन या इसका अचार खा सकती है।

सर्दी, खांसी व मौसमी बीमारियों से दिलाएं आराम

सर्दी, खांसी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में इस दौरान एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय से भरपूर लहसुन का अचार खाना फायदेमंद माना जाता है। वही दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस से बचने व इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लहसुन का अचार खाना बेहद फायदेमंद माना गया है।

स्किन एलर्जी से राहत पाने के लिए ट्राई करें ये उपाय

बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से स्किन एलर्जी होने लगती है। इसके कारण त्वचा में खुजली, दाने, जलन, रैशेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार तो दर्द का भी सामना करना पड़ता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार तो यह एलर्जी कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। मगर कई मामलों में यह गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में किसी स्किन एक्सपर्ट्स से सलाह लेने में ही भलाई है। मगर लाइट एलर्जी को कुछ देसी उपायों द्वारा दूर किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल

स्किन एलर्जी होने पर जलन, खुजली, रैशेज, दर्द आदि होने लगता है। आप इन समस्याओं से बचने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती है। एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह स्किन को गहराई से पोषित करके इससे जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही त्वचा की रंगत निखरी व जवां नजर आती है। आप दिनभर में कभी भी एलोवेरा जेल से चेहरे व एलर्जी वाली जगह पर मसाज कर सकती है। सोने से पहले इसे लगाने बेस्ट माना जाता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे लगाने से पिंपल्स, दाग, धब्बे, झाइयां, झुर्रियां आदि की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही यह त्वचा को कोमलता से पोषित करके स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-माइक्रोबियल तत्व एलर्जी की परेशानी को कम करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्किन में जलन, खुजली, रेडनेस आदि एलर्जी होने पर टी ट्री ऑयल लगाना फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए कॉटन में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर खाने के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह एक बेहतर स्किन केयर एजेंट की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन एलर्जी को दूर करने में कारगर होता है। स्किन में जलन, रैशेज, खुजली आदि होने पर आप एप्पल साइडर विनेगर यूज कर सकती है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। तैयार मिश्रण को प्रभावित जगह पर कॉटन की मदद से लगाकर सूखने दें। बाद में ठंडे पानी से साफ करके सूखा लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से एलर्जी की परेशानी दूर हो जाएगी। मगर सेंसिटिव स्किन वालों को इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए।

हर मौसम में लाभदायक है विटामिन-सी से भरपूर आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।

ब्लड प्रेशर लो हो जाने पर खानी चाहिए ये चीजें, जल्द मिलेगा आराम

लो ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति के रक्तचाप के स्तर में अचानक से कमी आ जाती है। वैसे तो यह बहुत आम समस्या बन गई है लेकिन इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।

इस स्थिति में शरीर के सभी अंगों में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है जो कि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन, मितली, कमजोरी और थकान महसूस होने लगती है। खराब दिनचर्या और खान-पान में लापरवाही की वजह से भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके लिए आपको अपने आहार में हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए।

अंडा - वैसे तो अंडा शरीर की बहुत सी समस्याएं दूर कर सकता है लेकिन हाइपोटेंशन यानी लो बीपी के मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा आहार माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स का उत्पादन बढ़ाता है।

डार्क चॉकलेट - डार्क चॉकलेट खाना भी इस समस्या से राहत दिला सकती है। डार्क चॉकलेट में ऐसे गुण भी पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर उसे सामान्य बनाने में मदद करती है।

अंगूर - अंगूर का जूस हाइपोटेंशन के लक्षणों का इलाज करने में बहुत असरदार है। बीपी लो होने पर यदि अंगूर या अंगूर का रस दिया जाए तो आराम मिलता है। अंगूर के रस में पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड वैसल्स वॉल को आराम देकर रक्तचाप को कम करने में मदद करता है।

पनीर - लो बीपी की समस्या होने पर पनीर खाना बेहद फायदेमंद होता है। लो बीपी होने पर अक्सर अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप पनीर पर चाट मसाला या फिर हल्का नमक डालकर खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को ताकत भी मिलेगी और लो बीपी की समस्या में भी राहत मिलेगी।

कॉफी - लो बीपी को मेंटेन करने के लिए कैफीन को सबसे फायदेमंद माना गया है। यदि अचानक से बीपी लो हो जाए तो मरीज को कॉफी देने के कुछ सेकंड बाद ही वह एक्टिव हो जाता है। खासतौर से अगर ब्लैक कॉफी उपलब्ध है तो यह बेहद फायदेमंद होती है। यह आपकी हार्ट रेट को बढ़ाएगी जिससे ब्लड प्रेशर भी सामान्य हो जाएगा।

छाछ - लो ब्लड प्रेशर के मरीज को सुबह के नाश्ते या उसके बाद छाछ का सेवन करना चाहिए। छाछ में नमक, भुना हुआ जीरा और हींग मिलाकर पिएं, इससे बीपी नियंत्रित रहेगा।

नींबू पानी - लो ब्लड प्रेशर की समस्या में नींबू पानी में थोड़ा ज्यादा नमक डालकर पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है जिससे लो बीपी सामान्य स्थिति में आ जाता है।

ओमेगा-3 के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड

शरीर में ओमेगा-3 की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। अगर आप मछली नहीं खाते हैं, तो नीचे बताए प्लांट बेस्ड फूड को अपनी डाइट में शामिल करें।

प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह ओमेगा-3 फैटी एसिड भी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर और दिमाग के बेहतर कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड क्यों जरूरी है? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में इसकी कमी से त्वचा ड्राई हो सकती है, आप तनाव की चपेट में आ सकते हैं, आंखें ड्राई हो सकती हैं, जोड़ों में दर्द और अकड़न आ सकती है, बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी के लक्षण?

शरीर में इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं।

शरीर को रोजाना कितने ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है?

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 250-500 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड लेना चाहिए।

क्या खाएं?

ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोग मछली नहीं खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन बता रही हैं कि मछली के अलावा किन-किन चीजों में ओमेगा-3 पाया जाता है।

अलसी के बीज

ये छोटे भूरे या पीले बीज ओमेगा-3 का खजाना हैं। आप ओमेगा-3 की कमी पूरी करने के लिए इसका तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अलसी फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत हैं। चम्मच (10.3 ग्राम) अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

चिया के बीज

चिया के बीजहर तरह से पौष्टिक होते हैं. इनमें ओमेगा-3 के अलावा मैंगनीज, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। 1-औंस (28-ग्राम) चिया सीड्स में 5 ग्राम प्रोटीन होता है, जिसमें सभी आठ आवश्यक अमीनो एसिड शामिल हैं। इतनी ही मात्रा में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अखरोट

अखरोट बहुत पौष्टिक होते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसमें हाई मात्रा में तांबा, मैंगनीज और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट के फिनोल एंटीऑक्सिडेंट गुण कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:52 Page 7

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए समुद्री शक्ति बनना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया मैरिटाइम वीक के दौरान श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और पिछले 11 वर्षों में भारत में इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा। यह बात श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने इंडिया मैरिटाइम वीक 2025 के दौरान कही। मंत्री ने दावा किया कि पुर्तगाली खोजकर्ता वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का अनुसरण किया था। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और पिछले 11 वर्षों में भारत में इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है। मांडविया ने कहा कि भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था, जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया। भारत का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार मात्रा के हिसाब से व 70 प्रतिशत व्यापार मूल्य के हिसाब से समुद्र के रास्ते होता है। मंत्री ने कहा कि जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर भी राज करते हैं, इसलिए सरकार जहाज निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है।

इथेनॉल उत्पादन के लिए कम उपयोग से बढ़ा चीनी भंडार, सरकार दे सकती है निर्यात की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इथेनॉल उत्पादन घटने से चीनी भंडार बढ़ गया है। सरकार 2025-26 विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की मंजूरी दे सकती है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजय चोपड़ा ने कहा कि शुरुआती स्टॉक पर्याप्त है और निर्णय जल्द लिया जा सकता है। सरकार 2025-26 के विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की मंजूरी दे सकती है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजय चोपड़ा ने कहा कि शुरुआती स्टॉक पर्याप्त है और निर्णय जल्द लिया जा सकता है। इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के कम उपयोग के कारण ज्यादा भंडार हो गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, चीनी मिलों ने 2024-25 में इथेनॉल निर्माण के लिए 34 लाख टन चीनी का उपयोग किया। यह अनुमानित 45 लाख टन से कम है। चोपड़ा ने कहा, अक्तूबर से सितंबर तक चलने वाले 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक अधिक है। 2025-26 में चीनी उत्पादन 3.4 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है। सालाना घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन है। हमारे पास निश्चित रूप से चीनी का भंडार ज्यादा है। जल्द ही निर्णय लिया जा सकता है, क्योंकि सरकार उद्योग को निर्यात की योजना बनाने के लिए एक लंबा समय देना चाहेगी। इस पर निर्णय लेने के लिए मंत्रियों की एक समिति अगले सप्ताह बैठक कर सकती है। विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान देश से 10 लाख टन के आवंटन के मुकाबले लगभग 8 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं। रिफाइंड चीनी की वैश्विक कीमत 3,829 रुपये प्रति क्विंटल है। औसत एक्स मिल कीमत 3,885 रुपये प्रति क्विंटल है। चीनी उद्योग ने अक्तूबर में समाप्त होने वाले 2024-25 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष में शीरे से 471 करोड़ लीटर इथेनॉल की आपूर्ति की पेशकश की थी।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स-निफ्टी दोनों लुढ़के

डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ रुपया

मुंबई, एजेंसी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 297.96 अंक गिरकर 84,699.17 पर और निफ्टी 90.05 अंक गिरकर 25,963.85 पर कारोबार कर रहा था. वहीं शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे गिरकर 88.43 पर आ गया।

आज गुरुवार सुबह 9:20 बजे, सेंसेक्स 250 अंक यानी 0.27 प्रतिशत नीचे गिर गया. वहीं निफ्टी 85 अंक यानी 0.30त्न गिरकर 25,965 पर कारोबार कर रहा था. इस तरह से देखें तो बाजार में नरमी दिख रही है. दूसरी ओर शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे गिरकर 88.43 पर आ गया।

इस तरह से अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती के फैसले का बाजार पर कोई असर नहीं पड़ने और एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई.

शुरुआती कारोबार में दोनों बेंचमार्क सूचकांकों, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई. सेंसेक्स 228 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 84,770 पर आ गया, जबकि निफ्टी 81 अंक या 0.31 प्रतिशत गिरकर 25,973 पर आ गया।

विश्लेषकों ने कहा, तकनीकी दृष्टिकोण से,

निफ्टी तब तक साइडवेज-टू-बुलिश पूर्वाग्रह बनाए रखता है, जब तक यह 25,900-26,000 समर्थन क्षेत्र से ऊपर बना रहता है.

विशेषज्ञों ने कहा, ऊपर की ओर, तत्काल प्रतिरोध 26,100-26,200 के आसपास है, और इस सीमा से ऊपर निरंतर चाल निकट भविष्य में 26,300-26,400 की ओर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

भारती एयरटेल, सन फार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाइटन, कोटक बैंक, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, ट्रेंट और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.5 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी ओर, कुछ शेयर बढ़त में रहने में कामयाब रहे. एलएंडटी, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और एसबीआई सेंसेक्स में सबसे ज्यादा लाभ में रहे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा के बाद भारतीय बाजारों में कमजोर शुरुआत हुई. इससे बेंचमार्क फेडरल फंड्स रेट 3.75 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के दायरे में आ गया. हालांकि, फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की टिप्पणी कि दिसंबर में एक और ब्याज दर में कटौती अभी तक तय नहीं हुई है, ने वॉल स्ट्रीट पर निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया।

इसका असर एशियाई बाजार के रुझान पर भी पड़ा. व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स सपाट रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत बढ़ा।सेक्टोरल इंडेक्स में, निफ्टी फार्मा इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, जो 0.76 प्रतिशत नीचे आ गया।निफ्टी मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स भी 0.4 प्रतिशत फिसले, और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई।

इस बीच, शुरुआती कारोबार में निफ्टी रियल्टी इंडेक्स इस रुझान के उलट 0.5 प्रतिशत बढ़कर व्यवसाय कर रहा था. विश्लेषकों ने कहा कि बढ़ी हुई अस्थिरता और मिश्रित वैश्विक संकेतों को देखते हुए, व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से गिरावट पर खरीदें दृष्टिकोण बनाए रखें, खासकर लीवरेज का उपयोग करते समय.

वर्ल्ड लाइन किराना इफेक्ट

भारत में यूपीआई पेमेंट 2025 की पहली छमाही में 35 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस देश के डिजिटल पेमेंट लैंडस्केप में अपना दबदबा बनाए हुए है. बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 2025 की पहली छमाही में लेनदेन की संख्या साल-दर-साल 35 प्रतिशत बढ़कर 106.36 अरब तक पहुंच गई।

वर्ल्डलाइन की इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट (2025 की पहली छमाही) के अनुसार इन लेनदेन की कुल वैल्यू 143.34 लाख करोड़ रुपये रही, जो दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान भारत में रोजमर्रा की जिंदगी का कितना अहम हिस्सा बन गए हैं।

उल्लेखनीय रूप से पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन 37 प्रतिशत बढ़कर 67.01 बिलियन हो गया, जिसे वर्ल्डलाइन किराना इफेक्ट कहता है, जहां छोटे और सूक्ष्म व्यवसाय भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गए हैं।

भारत के क्यूआर-बेस्ड पेमेंट नेटवर्क में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई, जो जून 2025 तक दोगुने से भी ज़्यादा बढ़कर 678 मिलियन हो गया - जनवरी 2024 से 111 प्रतिशत की वृद्धि. पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों की संख्या 29 प्रतिशत बढ़कर 11.2 मिलियन हो गई, जबकि भारत क्यूआर 6.72 मिलियन तक पहुंच गया।

इसके साथ ही भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी नेटवर्क संचालित करता है, जो छोटे व्यवसायों द्वारा अपनाए जाने और सरकार द्वारा संचालित समावेशन कार्यक्रमों द्वारा संचालित है. इस बीच रिपोर्ट दर्शाती है कि क्रेडिट कार्ड प्रीमियम खर्च करने के साधन के रूप में विकसित हो रहे हैं।

जनवरी 2024 और जून 2025 के बीच सक्रिय क्रेडिट कार्डों की संख्या में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मासिक खर्च 2.2 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया. हालांकि, औसत लेन-देन आकार में 6 प्रतिशत की गिरावट आई।

फेडरल रिजर्व ने फिर की ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती, कहा- अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट यानी 0.25 फीसदी की कटौती की है। फेड ने कहा कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकेत धीमे पड़ रहे हैं। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला किया है। फेड ने अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव करते हुए ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की है। इसके बाद अब अमेरिका में ब्याज दरें 3.75 से 4 प्रतिशत के दायरे में आ गई हैं। इससे पहले फेड ने सितंबर में दरों में कटौती की थी। फेड ने कहा कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकेत धीमे पड़ रहे हैं। बैंक के अनुसार रोजगार वृद्धि में सुस्ती आई है और बेरोजगारी दर में हल्की बढ़ोतरी देखी गई है। हालांकि यह अभी भी निम्न स्तर पर है। उन्होंने स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति हाल के महीनों में फिर से बढ़ी है और अभी भी कुछ हद तक ऊंची बनी हुई है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने कहा कि उसका लक्ष्य आर्थिक जोखिमों से निपटते हुए अधिकतम रोजगार और मूल्य स्थिरता के अपने संतुलन बनाए रखना है। समिति लंबी अवधि में अधिकतम रोजगार और 2 प्रतिशत की दर से मुद्रास्फीति हासिल करना चाहती है। समिति ने जोर देकर कहा कि वह आगे कोई नीतिगत बदलाव करने से पहले नए आंकड़ों और उभरती आर्थिक स्थितियों पर कड़ी नजर रखेगी।

ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेड के सतर्क रुख का आकलन किया है

सोने-चांदी के दामों में आया नया अपडेट

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा के बाद गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई. कीमती धातुओं की कीमतों में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब निवेशकों ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेड के सतर्क रुख का आकलन किया है।

एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,19,125 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,20,666 रुपये था. चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और यह 0.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,45,498 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली, जबकि पिछला बंद भाव 1,46,081 रुपये पर था. सुबह 9:42 बजे तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और यह 1,827 रुपये या 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,18,839 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. चांदी भी 1,411 रुपये या 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,44,670 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई. अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर में

मामूली गिरावट के समर्थन से सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई. स्पॉट गोल्ड की कीमत 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,937.88 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोना वायदा 1.2 प्रतिशत गिरकर 3,950.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

पिछले सत्र में दो सप्ताह के उच्चतम स्तर को छूने के बाद डॉलर सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई. इससे अन्य मुद्राओं को रखने वाले निवेशकों के लिए सोना अपेक्षाकृत सस्ता हो गया. बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष की दूसरी बार ब्याज दर में कटौती की घोषणा की. इससे बेंचमार्क दर 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में कम हो गई. हालांकि फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने सतर्क लहजे में कहा कि अधिकारी मौद्रिक नीति के भविष्य के रुख को लेकर बंटे हुए हैं. इस साल के अंत में ब्याज दरों में एक और कटौती निश्चित नहीं है. वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिका और चीन के बीच घटनाक्रम पर भी नजर रख रहे हैं, क्योंकि बाजार प्रतिभागी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित व्यापार समझौते पर चर्चा का इंतजार कर रहे हैं।

विशेषज्ञों ने कहा, फेड अध्यक्ष के आगे और ढील देने के सतर्क रुख ने मुनाफावसूली को बढ़ावा दिया. इसके अलावा, आगामी अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद, जहाँ राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग एक समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं. इससे सुरक्षित निवेश की माँग को कम कर दिया।

उन्होंने आगे कहा, गवर्नर पॉवेल ने कहा कि अधिकारी मौद्रिक नीति के भविष्य पर आम सहमति बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और वित्तीय बाजारों को यह नहीं मानना चाहिए कि साल के अंत में दरों में एक और कटौती होगी।

ग्रो ला रहा आईपीओ, 95 से 100 रुपए के दायरे में रखा ग्रो ने आईपीओ का दायरा

61,700 करोड़ रुपये यानी लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मूल्यांकन है

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग फर्म ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स ने गुरुवार को अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. इसका लक्ष्य 61,700 करोड़ रुपये यानी लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मूल्यांकन है. एक सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, कंपनी का 6,632 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 नवंबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 7 नवंबर को समाप्त होगा. खुदरा निवेशकों के लिए बोली 3 नवंबर को एक दिन के लिए खुलेगी. आईपीओ में 1,060 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों के साथ-साथ प्रमोटरों और निवेशक शेयरधारकों द्वारा 574,190,754 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है. गो22 के संस्थापकों

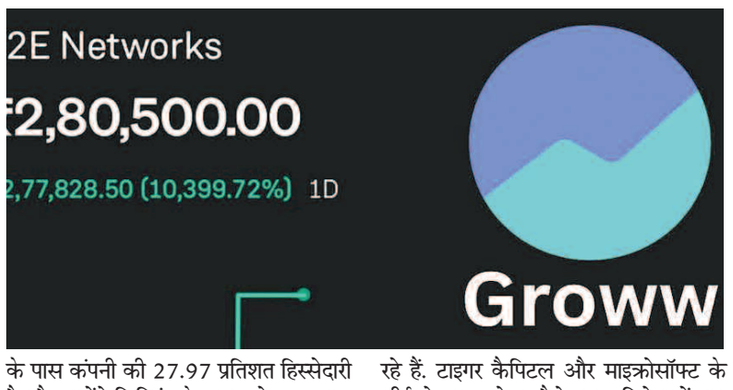

के पास कंपनी की 27.97 प्रतिशत हिस्सेदारी है और उन्होंने लिस्टिंग के समय से 1.5 साल के लिए 20 प्रतिशत लॉक-इन के साथ कंपनी के प्रमोटर के रूप में आवेदन किया है. आईपीओ में, वे कंपनी के कुल शेयरों का केवल 0.07 प्रतिशत बेचने की पेशकश कर रहे हैं. टाइगर कैपिटल और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला जैसे प्रमुख निवेशकों द्वारा समर्थित कंपनी, आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग प्रौद्योगिकी विकास और व्यवसाय विस्तार में निवेश के लिए करने की योजना बना रही है।

ब्रांड निर्माण और प्रदर्शन विपणन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे

नए निर्गमों में से 225 करोड़ रुपये ब्रांड निर्माण और प्रदर्शन विपणन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे. इसके साथ ही 205 करोड़ रुपये एनबीएफसी शाखा, ग्रो क्रेडिटसर्व टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएस) में निवेश किए जाएंगे, ताकि उसका पूंजी आधार बढ़ाया जा सके. उसके मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ) व्यवसाय के वित्तपोषण के लिए 167.5 करोड़ रुपये डाले जाएंगे. जबकि 152.5 करोड़ रुपये क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए निर्धारित किए गए हैं.

ग्रो ने गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट चुना

बेंगलुरु मुख्यालय वाली ग्रो ने मई में बाजार नियामक सेबी के पास गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट के माध्यम से आईपीओ के लिए मसौदा पत्र दाखिल किए थे और अगस्त में सेबी की मंजूरी प्राप्त कर ली थी. ग्रो ने गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट चुना, जो उसे डीआरएचपी के तहत आईपीओ विवरणों का सार्वजनिक खुलासा बाद के चरणों तक रोकने की अनुमति देता है. यह रूट उन भारतीय कंपनियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जो अपनी आईपीओ योजनाओं में लचीलापन चाहती हैं. 2016 में स्थापित, ग्रो जून 2025 तक 1.26 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय ग्राहकों और 26 प्रतिशत से ज़्यादा बाज़ार हिस्सेदारी के साथ भारत का सबसे बड़ा स्टॉकब्रोकर बनकर उभरा है. वित्त वर्ष 2025 में, इस स्टॉक ब्रोकिंग फर्म ने 1,824 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया. वहीं वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही का लाभ 378 करोड़ रुपये रहा.

जस्टिस रंजना देसाई को चुना गया 8वां वेतन आयोग का अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के लिए टर्म ऑफ रिफ्रेंस को मंजूरी दी. इसके साथ ही केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और भत्तों में नए सिरे से संशोधन का रास्ता साफ हो गया है. साथ ही केंद्र ने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई को 8वें वेतन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

वेतन आयोग में एक सदस्य पार्ट टाइम और एक सदस्य-सचिव शामिल होगा. साथ ही आईआईएम बैंगलोर के प्रोफेसर पुलक घोष को सदस्य होंगे, जबकि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव नियुक्त किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जस्टिस देसाई को इससे पहले 2020 में परिसीमन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और फिर 2022 में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया था. फरवरी 2025 में उन्हें गुजरात यूसीसी पैनल का प्रमुख भी नियुक्त किया गया था।

क्या होगा अगला कदम: रिटायर जस्टिस रंजना देसाई के नेतृत्व में आठवां वेतन आयोग केंद्र को अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले सभी हितधारकों से मुलाकात करेगा. सिफारिशों में वेतन और पेंशन में संशोधन के लिए फिटमेंट फैक्टर और अन्य तौर-

तरीकों पर उसके प्रस्ताव शामिल होंगे.

18 महीने में रिपोर्ट सौंपेगा आयोग: कैबिनेट बैठक के बाद जारी एक प्रेस नोट में कहा गया कि आठवां वेतन आयोग लगभग 18 महीनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा. आमतौर पर वेतन आयोगों की सिफारिशें हर दस साल के अंतराल के बाद लागू की जाती हैं. इस प्रवृत्ति के अनुसार आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू हो सकती हैं. इससे पहले जुलाई 2016 में सातवां वेतन आयोग लागू किया गया था, लेकिन कर्मचारियों को जनवरी 2016 से शुरू होने वाली छह महीने की अवधि के लिए बकाया राशि का भुगतान किया गया था. उस समय, पैनल ने 2.57 के फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की थी. लेकिन वास्तविक वृद्धि कम थी, क्योंकि महंगाई भत्ता और महंगाई राहत को शून्य कर दिया गया था।

ट्रंप की एच-1बी वीजा नीति का वेंस ने किया बचाव

कहा- अमेरिका के श्रमिकों को मिलना चाहिए समान अवसर

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-बी वीजा सुधार नीतियों का बचवा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अमेरिकी श्रमिकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना और वीजा कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य वैश्विक प्रतिभा को बनाए रखना की ओर लौटाना है, न कि सस्ते विदेशी श्रम से घरेलू कर्मचारियों को प्रतिस्थापित करना।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप की एच-बी वीजा सुधार नीतियों का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वीजा प्रणाली का दुरुपयोग कर विदेशी प्रतिभाओं को रियायतों दरों पर नियुक्त किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी कर्मचारियों की मजदूरी पर असर पड़ रहा है।

मिसिसिपी में आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में बुधवार को बोलते हुए वेंस ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य वीजा सुधारों के जरिए अमेरिकी श्रमिकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना और वीजा कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य वैश्विक

प्रतिभा को बनाए रखना की ओर लौटाना है, न कि सस्ते विदेशी श्रम से घरेलू कर्मचारियों को प्रतिस्थापित करना।

उन्होंने आगे कहा कि कानूनी आव्रजन एक जटिल विषय है, क्योंकि हम हर साल करीब दस लाख कानूनी प्रवासियों को अमेरिका में आने की अनुमति देते हैं। और सबूत साफ बताते हैं कि इनमें से कई प्रवासी वास्तव में अमेरिकी श्रमिकों के वेतन में कटौती कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अगर आप एच-1बी वीजा को देखें, तो इसका मतलब है कि आपके पास एक सुपर जीनियस होगा, जो किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रहा है और किसी बड़ी कंपनी में काम कर रहा है। आप चाहते हैं कि वह सुपर जीनियस अमेरिका में ही रहे और कहीं और न जाए। असल में इसका इस्तेमाल एक अमेरिकी नागरिक के लिए 50 प्रतिशत छूट पर एक अकाउंटेंट को नियुक्त करने के लिए किया जाता है। मुझे नहीं लगता कि हमें विदेशों से अकाउंटेंट नियुक्त करने चाहिए, जबकि हमारे पास अमेरिका में ही ऐसे अकाउंटेंट मौजूद हैं जो अच्छी तनख्वाह पर काम करना पसंद करेंगे।

वेंस की यह टिप्पणी उस घोषणा पर बढ़ती बहस के बीच आई है, जिसके तहत सितंबर में ट्रम्प द्वारा हस्ताक्षरित एच-1बी वीजा याचिका में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया। घोषणा के अनुसार, अब नए एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 100,000 डॉलर का शुल्क लगेगा, जो कि पिछले स्तर लगभग 1,500 अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, नई शुल्क आवश्यकता केवल उन व्यक्तियों या कंपनियों पर लागू होती है जो 21 सितंबर के बाद नई ॥-1क्र याचिकाएं दाखिल करते हैं या एच-बी लॉटरी में प्रवेश करते हैं।

मौजूदा वीजा धारकों और उस तारीख से पहले जमा की गई याचिकाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस घोषणा के तहत, समयसीमा के बाद दायर की गई हर नई एच-1बी वीजा याचिका के साथ 1,00,000 डॉलर का भुगतान करना होगा, जिसमें 2026 लॉटरी में प्रवेश के लिए जमा की गई याचिकाएं भी शामिल हैं।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:52 Page 8

पेरिस मास्टर्स

जैनिक सिनर की शानदार जीत

बर्ग्स को 6-4, 6-2 से हराया

पेरिस, एजेंसी। इटली के स्टार जैनिक सिनर ने बुधवार को जिजो बर्ग्स के खिलाफ 6-4, 6-2 से शानदार जीत के साथ पेरिस मास्टर्स खिताब की अपनी दावेदारी पेश की है। यह मुकाबला 88 मिनट तक चला। अब सिनर तीसरे दौर के मुकाबले में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से भिड़ेंगे, जिन्होंने अपने पिछले मुकाबले में मिओमिर केकमानोविच को 7-5, 1-6, 7-6 (4) से शिकस्त दी थी। वियना में एटीपी 500 का खिताब जीतने के ठीक चार दिन बाद जैनिक सिनर ने अपने बेल्जियम के प्रतिद्वंदी को एटीपी के पहले मुकाबले में शिकस्त देकर इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपने टूर-स्तरीय जीत के सिलसिले को 22 मैचों तक बढ़ाया। इस मुकाबले में जैनिक सिनर ने आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। बर्ग्स ने ला डिफेंस एरिना में अपने अभियान की शुरुआत चार ब्रेक प्वाइंट रोककर की, लेकिन इसके बाद 12 मिनट के शुरुआती गेम में सिनर को सर्विस ब्रेक करने से नहीं रोक पाए। यह इतालवी खिलाड़ी को पहले सेट में आगे बढ़ाने के लिए काफी था। दूसरे सेट के पहले गेम में एक और ब्रेक भी निर्णायक साबित हुआ। सिनर इस पूरे मैच में अपनी सर्विस पर दबदबा बनाए रहे। इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्हें ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने अपनी पहली ही डिलीवरी के बाद 77 प्रतिशत (24/31) अंक हासिल किए। जैनिक सिनर ने इस जीत पर खुशी जताते हुए कहा, ÷मुझे लगा इस मुकाबले में मेरा मूवमेंट अच्छा था। यहां का कोर्ट बहुत अनोखा है। आमतौर पर मुझे यहां थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए पहला मैच जीतना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं इस मुकाबले में अपनी सर्विस से बहुत खुश हूं। मैंने शुरुआत में ही एक ब्रेक हासिल किया, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा। इस प्रदर्शन से मैं बेहद संतुष्ट हूं। बर्ग्स के खिलाफ इस जीत के साथ यानिक सिनर ने वर्ल्ड नंबर 1 बनने की उम्मीदें बरकरार रखी हैं। कार्लोस अल्काराज की पेरिस में शुरुआती हार के बाद अब इतालवी खिलाड़ी के पास मौका है।

रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव भी हुए शामिल

टी20 इंटरनेशनल में

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में आज के समय में सबसे ज्यादा पॉपुलर फॉर्मेट में से एक है. टी20 क्रिकेट में चौके-छक्के की बारिश देखने को मिलती है, इसके साथ ही खिलाड़ी के आउट होने के चांस भी ज्यादा बन जाते हैं, जिससे ये खेल पलक झपकते ही कभी भी पलट सकता है. टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के बल्ले से छक्के लगने का भी रिकॉर्ड बनता है. भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच में 150 छक्के पूरे किए हैं. वहीं रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल में वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर हैं.

टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की टॉप 5 लिस्ट में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव का नाम शामिल है. इस लिस्ट में संयुक्त अरब अमीरात के कप्तान मोहम्मद वसीम का नाम भी है. इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भी टॉप 5 लिस्ट में हैं.

रोहित शर्मा - भारत की टी20 टीम के पूर्व कप्तान और बल्लेबाज रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं. रोहित ने 159 मैचों में खेली 151 पारियों में 4,231 रन बनाए हैं, जिनमें हिटमैन के बल्ले से 205 छक्के लगे हैं. रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बतौर कप्तान टीम को जीत दिलाने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था.

मोहम्मद वसीम - यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है. वसीम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 91 मैचों में 187 छक्के लगा चुके हैं. वसीम अभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं. मोहम्मद वसीम आने वाले समय में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं.

मार्टिन गुप्टिल - न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल भी टी20 क्रिकेट में शानदार छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं. गुप्टिल ने 122 मैचों की 118 पारियों में 173 छक्के जड़े हैं. न्यूजीलैंड का ये खिलाड़ी जनवरी 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुका है.

- **जोस बटलर**- इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. बटलर टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में चौथे नंबर पर हैं. बटलर के नाम 144 मैचों की 132 पारियों में 172 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है.

सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में जगह बना ली है. सूर्यकुमार इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर आ गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले सूर्या के 148 छक्के थे, वे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी निकोलस पूरन से एक छक्के से पीछे चल रहे थे. वहीं सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 मैच में 39 रनों की नाबाद पारी में 2 छक्के जड़कर टी20 इंटरनेशनल में 150 छक्के पूरे किए.

2026 फीफा विश्व कप को लेकर आश्वस्त नहीं लियोनेल मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया के फुटबॉल फैंस चाहते हैं कि अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी फीफा विश्व कप 2026 खेलें। लेकिन मेसी खुद विश्व कप में खेलने को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। लियोनेल मेसी का मानना है कि फीफा विश्व कप में उनका खेलना इस बात पर निर्भर है कि अगले साल इंटर मियामी की प्री-सीजन में उनकी तैयारियां कैसी रहती हैं। विश्व कप की टीम में होना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है। इस बार यह विशेष है, क्योंकि हमें खिताब का

बचाव करना है। मैं विश्व कप को लेकर उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि ईश्वर मुझे एक बार फिर मौका देगा। 37 साल के मेसी प्रोफेशनल फुटबॉल के लिए अमेरिका में एमएलएस में चले गए हैं। एमएलएस में फुटबॉल का स्तर यूरोप की टक्कर का नहीं है। इसका असर निश्चित रूप से खिलाड़ी पर भी पड़ना तय है। मेसी पूरी तरह फिट हैं और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद विश्व कप में खेलने का आखिरी निर्णय वे अपनी फिटनेस और तैयारियों के मुताबिक लेंगे। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 में विश्व विजेता बनाया था। अर्जेंटीना फ्रांस को हराकर चैंपियन बनी थी। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। हर नॉकआउट मैच में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था। फाइनल में दबाव वाली स्थिति से निकालकर उन्होंने अपनी टीम को चैंपियन बनाया था। मेसी को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का गोल्डन बॉल पुरस्कार दिया गया था। अर्जेंटीना निश्चित रूप से चाहेगी कि उसका यह महानतम खिलाड़ी आखिरी बार अपने देश के लिए विश्व कप की जर्सी पहने। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 195 मैचों में 114 गोल किए हैं। सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह रोनाल्डो के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

लीग्स कप

पैलेस ने लिवरपूल को हराया

क्वार्टर फाइनल में आर्सेनल समेत ये टीमें

लंदन, एजेंसी। क्रिस्टल पैलेस ने लीग्स कप में लिवरपूल को 3-0 से शिकस्त दी। इस हार ने रेड्स को काराबाओ कप से बाहर कर दिया है। यह इस सीजन में लिवरपूल की 7 मैचों में छठी हार थी। साल 1953 के बाद पहली बार ऐसा हुआ, जब रेड्स को लगातार 5 घरेलू मुकाबलों में शिकस्त झेलनी पड़ी। इस टीम को एकमात्र हालिया जीत यूईएफए चैंपियंस लीग में आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट के खिलाफ मिली थी। 27 सितंबर के बाद से, यूरोप की 5 बड़ी लीगों में लिवरपूल से ज्यादा मैच किसी भी टीम ने नहीं गंवाए हैं। ऐसा 80 दिनों में तीसरी बार है, जब लिवरपूल को क्रिस्टल पैलेस ने मात दी। इससे पहले, अगस्त में एफए कम्युनिटी शील्ड में पेनाल्टी शूटआउट में शिकस्त और सेलहर्स्ट पार्क में 2-1 से प्रीमियर लीग में हार के बाद यह सिलसिला शुरू हुआ था। यह हेड कोच आर्ने स्लॉट के मार्गदर्शन में लिवरपूल की सबसे बड़ी हार थी। अब उनकी कोशिश शनिवार को एस्टन विला के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए इस हार के सिलसिले को खत्म करने को होगी। एक अन्य मुकाबले में प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने लगातार 8वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ईएफएल कप में अपने सूखे को खत्म करने के करीब पहुंच गई है। क्वार्टर-फाइनल में आर्सेनल का सामना क्रिस्टल पैलेस से होगा। इस बीच, ईएफएल चैंपियनशिप में मैनचेस्टर सिटी ने स्वानसी के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मैनचेस्टर सिटी नौवीं लीग कप ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सिर्फ लिवरपूल ही इकलौती ऐसी टीम है, जिसने 8 से ज्यादा ट्रॉफियां जीती हैं। 15 दिसंबर से शुरू होने वाले काराबाओ कप के क्वार्टर फाइनल में उनका सामना ब्रेंटफोर्ड से होगा। यह मैच एतिहाद स्टेडियम में खेला जाएगा। चेल्सी ने काराबाओ कप क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दिसंबर में होने वाले क्वार्टर फाइनल में उसका सामना कार्डिफ सिटी से होगा।

कनाडियन स्क्वैश ओपन

सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अनाहत सिंह को कनाडियन स्क्वैश ओपन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। टोरंटो में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी जीना केनेडी ने उन्हें सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया। यह मैच केवल 30 मिनट तक चला।

टूर्नामेंट की इनामी राशि 96,250 अमेरिकी डॉलर (लगभग 80 लाख रुपये) है। इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी जीना केनेडी ने अनाहत सिंह को सेमीफाइनल में सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया। इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी जीना केनेडी ने अनाहत सिंह को सेमीफाइनल में सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया।

वर्ल्ड नंबर-7 को हरा कर सेमीफाइनल में पहुंची थी

दिल्ली की 17 साल की अनाहत सिंह नेशनल चैंपियन हैं। उनकी वर्ल्ड रैंकिंग 43 है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड की नंबर 7 खिलाड़ी और बेल्जियम की दूसरी वरीयता प्राप्त टिने गिलिस को सीधे गेमों में 12-10, 11-9, 11-9 से हराया। यह मैच सिर्फ 36 मिनट में खत्म हो गया।

महिला विश्व कप

पहली बार फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका

इंग्लैंड को 125 रन से हराकर

गुवाहाटी, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दक्षिण अफ्रीका पहली बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका से मिले 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने अपने शुरुआती 2 विकेट 0 पर और तीसरा विकेट 3 के स्कोर पर गंवा दिया। इसके बाद चौथे विकेट के लिए कप्तान नट सेवियर ब्रंट और एलिस कैप्सी के बीच 105 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने इंग्लैंड की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन एलिस कैप्सी के 50 के स्कोर पर आउट होने के बाद टीम एक बार फिर बिखर गई। कप्तान नट सेवियर ब्रंट 64 और डेनी व्याट 34 रन बनाकर आउट हुईं। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी लिंसे स्मिथ 27 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड 42.3 ओवर में 194 रन पर सिमट गई और 125 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए मारिजेन कैप ने 7 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। अयाबोंगा खाका, एन मल्बा, और सुन लूस ने 1-1 और नाडिन डे क्लार्क ने 2 विकेट लिए।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की बेहतरीन और यादगार शतकीय पारी के दम पर 7 विकेट पर 319 रन बनाए थे। लौरा वोल्वार्ड्ट ने वन मैन आर्मी की तरह बल्लेबाजी करते हुए 143 गेंद पर 20 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 169 रनों की बड़ी पारी खेली। सेमीफाइनल में खेली गई लौरा वोल्वार्ड्ट की इस पारी को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। वोल्वार्ड्ट जब आउट होकर जा रही थीं, तो इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भी उनकी मैराथन पारी के लिए उन्हें शाबाशी दी थी। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका के लिए तजमिन ब्रिट्स ने 45, मारिजेन कैप ने 42, और क्लो ट्रायोन ने 33 रन बनाए।

सिर में गेंद लगने से ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर की मौत, खेल जगत में छाया मातम

मेलबर्न, एजेंसी। कभी-कभी एक गेंद खेल को नहीं, ज़िंदगी को बदल देती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से आई एक ऐसी ही खबर ने पूरे क्रिकेट जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। महज़ 17 साल का युवा खिलाड़ी बेन ऑस्टिन, जो अपने सपनों की उड़ान भरने ही वाला था, अब इस दुनिया में नहीं रहा। नेट सेशन के दौरान सिर और गर्दन पर गेंद लगने से उसकी जान चली गई।

प्रैक्टिस के दौरान हुआ हादसा- घटना मंगलवार दोपहर की है, जब बेन मेलबर्न के फर्नट्री गली स्थित वैली ट्यू रिज़र्व मैदान पर अभ्यास कर रहा था। नेट में एक स्वचालित बॉलिंग मशीन से गेंदबाज़ी हो रही थी। उसी दौरान एक गेंद सीधे उसके सिर और गर्दन के बीच जाकर लगी। बेन हेलमेट पहने हुए था, लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि साथियों ने उसे तुरंत मोनाश मेडिकल सेंटर पहुंचाया। डॉक्टरों ने पूरा प्रयास किया, मगर बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई।

क्रिकेट क्लब ने जताया शोक- फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने गुरुवार सुबह एक भावनात्मक पोस्ट जारी कर बेन के निधन की पुष्टि की। क्लब ने लिखा- हम अपने प्यारे साथी बेन ऑस्टिन के निधन से गहराई से दुखी हैं। वह न केवल एक उत्कृष्ट खिलाड़ी थे बल्कि मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह एक प्रेरक व्यक्तित्व थे। उनकी मुस्कान और नेतृत्व को हम हमेशा याद रखेंगे।÷ क्लब ने बेन के परिवार - जेस, ट्रेसी, कूपर और जैक – के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह क्षति पूरे क्रिकेट समुदाय को हिला गई है।

एक उभरता सितारा जो अब कभी नहीं चमकेगा- बेन न सिर्फ अपने क्लब का उभरता हुआ खिलाड़ी था, बल्कि उसने मुलग्रेव और एल्डन पार्क क्रिकेट क्लब के लिए भी खेला था। इसके अलावा वह वेवर्ली पार्क हॉक्स की जूनियर फुटबॉल टीम का हिस्सा भी था।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 00:52 Page 9

शौंकी सरदार के बाद अब

निमृत कौर अहलूवालिया की ओटीटी पर एंट्री, शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है।

क्या सलमान खान की फिल्म

'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बने बिग बी? डायरेक्टर की पोस्ट से मिला हिंट

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' काफी चर्चा में है। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। हाल ही में डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने एक पोस्ट शेयर की, जिससे लगता है कि 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा अमिताभ बच्चन भी बन रहे हैं।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' आर्मी बैकग्राउंड पर है। फिल्म में सलमान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में दिखेंगे। फिल्म को अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। इस डायरेक्ट ने अमिताभ बच्चन के साथ एक पोस्ट शेयर की। जिससे हिंट मिलता है बिग बी भी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बन रहे हैं।

अपूर्व ने पोस्ट में क्या लिखा?

अपूर्व लाखिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में अमिताभ बच्चन के साथ एक फोटो शेयर की। उस पर कैप्शन लिखा, 'लीजेंड, सेट पर।' आगे वह लिखते हैं, 'सोचिए, वह मुझे क्या बता रहे हैं।' इस फोटो में अमिताभ बच्चन कुछ कह रहे हैं और अपूर्व सुन रहे हैं।

अपूर्व ने फिल्म का नाम नहीं लिखा

अपनी पोस्ट में डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का नाम नहीं लिखा है। ऑफिशियली भी इस बात की पुष्टि नहीं की गई। अब देखना होगा कि क्या सच में

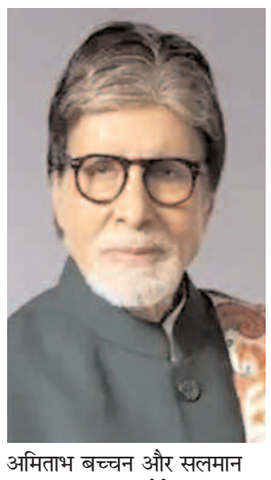

अमिताभ बच्चन और सलमान खान साथ काम करेंगे।

कब रिलीज होगी सलमान की फिल्म

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की अभी शूटिंग चल रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी साझा नहीं की गई है। लेकिन उम्मीद है कि अगले साल ईद पर सलमान की यह फिल्म रिलीज हो जाएगी।

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल ने बताया संगीतकार बनने की सोच कैसे बदली

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल को कमरिया और डीजे वाले बाबू जैसे गानों के लिए जाना जाता है। वह इन दिनों म्यूजिक रियलिटी शो आई-पॉपस्टार में मेंटर की भूमिका निभा रही हैं। शो के प्रमोशन के दौरान आस्था गिल ने आईएएनएस से खास बात की। आस्था ने बताया कि कैसे उन्होंने एक कलाकार के रूप में अपनी सोच में बदलाव किया है और इंडस्ट्री को समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि किसी भी कलाकार के लिए एक हिट गाना देना उसकी जिम्मेदारी होती है। टीम लगातार बताती रहती है कि बाजार में क्या चल रहा है, क्या परिणाम होने चाहिए और इसे कैसे बनाया जाना चाहिए। आस्था गिल ने कहा, सच कहूं तो मुझे समझने में बहुत समय लगा। मैं संगीत बनाते समय अटक जाती थी क्योंकि एक संगीतकार के तौर पर मेरा बिजनेस माइंड मेरे अंदर के कलाकार पर हावी हो जाता था। लगभग दो साल से मैं अपनी विचार-प्रक्रिया बदल रही हूं। मैंने जानबूझकर खुद को इस शोर से अलग कर लिया है। मुझे दो साल पहले अहसास हुआ कि मैं अपनी कला में खोई हुई थी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि कैसे आगे बढ़ूं। उन्होंने आगे बताया, जब मैं किसी रिकॉर्डिंग सेशन में बैठती थी, तो सोचती थी, मैं अपना गीत लिखना चाहती हूं, मैं अपनी कहानी लिखना चाहती हूं। अब मैंने लिखना शुरू कर दिया है, मैंने अपनी कहानी लिखनी शुरू कर दी है क्योंकि अब मैं उस शोर में नहीं खोई रहती। उस समय मैं समझ नहीं पाती थी कि क्या कमी रह गई है, इसमें मुझे बहुत समय लगा।

कबीर सिंह फिल्म ने बदल दी जिंदगी

निकिता दत्ता ने बनाया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

ज्वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं। निकिता ने आईएएनएस से खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म, शाहरुख खान और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली कास्टिंग पर खुलकर बात की। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के होते विस्तार और कास्टिंग को लेकर आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अभिनेताओं को पसंद किया जाता था, लेकिन अब ओटीटी की वजह से कई माध्यम विकसित हो गए हैं। अब दर्शक जितना पर्दे पर बड़े स्टार्स को देखना पसंद करते हैं, उतना ही ओटीटी पर। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली कास्टिंग पर कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। कास्टिंग प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, ना कि सोशल मीडिया फॉलोवर्स के आधार पर। निकिता ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है। उन्होंने कहा, जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से यह मेरा सपना रहा है। अब भी यही ड्रीम प्रोजेक्ट है कि बस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल जाए। फिल्म कबीर सिंह निकिता के लिए बहुत खास रही। इसी फिल्म से निकिता को टीवी के बाद बड़े पर्दे पर पहचान मिली। उन्होंने कहा कि कबीर सिंह फिल्म ने मेरी जर्नी में बदलाव लाया, लोगों ने उस फिल्म से मुझे पहचाना और बहुत प्यार दिया। कबीर सिंह के लिए हमेशा मेरे दिल में खास जगह रहेगी। बता दें कि निकिता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में घरत गणपति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अवॉर्ड के साथ प्यारी सी फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ टीवी पर हिट सीरियल भी दिए हैं। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल, 2016 में एक दूजे के वास्ते, और 2017 में हासिल में काम किया। एक्ट्रेस ने ओटीटी पर भी अपनी पहचान बनाई और कई सीरीज में नजर आई।

मधुरिमा तुली ने डेनिम-ऑन-डेनिम लुक और बोल्ड रेड हील्स के साथ दी स्टाइल की नई परिभाषा

मधुरिमा तुली ने एक बार फिर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के साथ सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अपने हालिया फ़ोटोशूट में उन्होंने क्लासिक डेनिम-ऑन-डेनिम ट्रेंड को एक मॉडर्न और फ्रेश अंदाज़ में पेश किया। स्क्रीन पर अपनी दमदार मौजूदगी और स्टाइलिश व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली मधुरिमा ने साबित किया कि सही स्टाइलिंग के साथ डेनिम जैसे सदाबहार फैब्रिक भी एक प्रभावशाली बयान दे सकते हैं। फ़ोटोशूट में मधुरिमा ने हल्के वॉश वाला डेनिम जैकेट और उसी के साथ मैचिंग जींस पहनी है, जिससे एक कोऑर्डिनेटेड लुक बनता है जो एक साथ ही आरामदायक और हाई-फ़ैशन लगता है।

अंदर उन्होंने एक साफ़-सुथरा सफ़ेद टॉप पहना है, जो डेनिम के गहरे टोन के साथ सुंदर कंट्रास्ट बनाता है और उनके आउटफ़िट की लेयरिंग को और भी निखारता है। सफ़ेद रंग का यह टच लुक में ताज़गी और संतुलन लाता है। लेकिन इस पूरे लुक की असली शोस्टॉपर हैं उनकी स्ट्राइकिंग रेड हील्स – एक ऐसा बोल्ड ऐक्सेसरी जिसने इस कैजुअल डेनिम एन्सेम्बल को तुरंत स्टेटमेंट लुक में बदल दिया। म्यूटेड डेनिम ब्लूज़ के बीच लाल रंग की यह चमकदार झलक एक विज़ुअल बैलेंस बनाती है जो साहसिक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी है। यह इस बात की याद दिलाती है कि एक सही चुना गया ऐक्सेसरी पूरे आउटफ़िट का टोन बदल सकता है। मधुरिमा ने अपने लुक के बाकी हिस्से को काफ़ी मिनिमल रखा – ताकि उनका आउटफ़िट और उनका आत्मविश्वास खुद बात करें। सॉफ्ट नैचुरल मेकअप और खुले वॉल्यूमस बालों के साथ उन्होंने इस लुक को बेहद सहजता और एलेगेंस के साथ कैरी किया। कम ज्वेलरी पहनकर उन्होंने साबित किया कि ग्लैमर हमेशा ओवरडो नहीं होना चाहिए – सादगी भी प्रभावशाली हो सकती है। अपने लुक के बारे में बात करते हुए मधुरिमा ने कहा,

मुझे ऐसे आउटफ़िट पसंद हैं जो सिंपल हों लेकिन पावरफुल – डेनिम हमेशा से मुझे कॉन्फिडेंस जैसा लगता है।

यह बात बिल्कुल दर्शाती है कि उनका फैशन सेंस कितना अंडरस्टेटेड, प्रभावी और पर्सनैलिटी से भरा हुआ है।

इस लुक की ख़ासियत यह भी है कि यह उनकी असली स्टाइल पर्सनैलिटी को दर्शाता है – एलीगेंट लेकिन इफ़र्टलेस, फैशनेबल लेकिन ओवरडोन नहीं। चाहे रेड कार्पेट हो, कैजुअल आउटिंग या एक क्यूरेटेड शूट, मधुरिमा हर फ्रेम में अपनी पहचान छोड़ती हैं।

डेनिम-ऑन-डेनिम स्टाइल के साथ बोल्ड रेड हील्स और उनकी नैचुरल चार्म ने एक बार फिर साबित किया कि सच में स्टाइल वही है जिसमें हो आत्मविश्वास, आराम और थोड़ा सा बेखौफ़ अंदाज़।

अजगर के साथ पोज देती नजर आई प्रियंका चोपड़ा, नया नहीं यह शौक है काफी पुराना

प्रियंका चोपड़ा ने कुछ ही देर पहले अपने एक पुराने शौक को सोशल मीडिया हैंडल पर फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंने अजगर को गले में लटकाए कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया पर अपने पति निक जोनस के साथ कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देखकर प्रियंका का एक पुराना शौक नजर आ रहा है। प्रियंका ने अजगर को गले में डालकर हंसते हुए पोज दिए।

दिल तोड़ गया तू गाना सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है : विशाल मिश्रा

एक्ट्रेस यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक का गाना दिल तोड़ गया तू रिलीज हो गया है। इसके कंपोजर विशाल मिश्रा हैं। यह गाना बुधवार को रिलीज हुआ। उन्होंने बताया कि यह गाना सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है। विशाल मिश्रा ने एक बयान में कहा, यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। दिल तोड़ गया तू सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है। यह उस प्यार के बारे में है जो आपको बदल देता है और उसके बाद आने वाली खामोशी को दिखाता है। इमरान और यामी ने उस भावना को पर्दे पर खूबसूरती से बयां किया है। कौशल किशोर ने दिल तोड़ गया तू के बोल लिखे हैं।

शाहरुख खान से तुलना होने पर हर्षवर्धन राणे का जवाब

वो भगवान हैं और मैं उनका पुजारी हूं

अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच एक मामले में उनकी तुलना शाहरुख खान से की गई, जिस पर उन्होंने रिएक्शन दिया है। हर्षवर्धन राणे ने अपनी संजीदा अदाकारी के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। इन दिनों उनकी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत थिएटर्स में लगी है, जिसमें उन्होंने एक जुनूनी आशिक का रोल निभाया है। 21 अक्तूबर को रिलीज हुई फिल्म अपना बजट निकाल चुकी है। हाल ही में एक पोर्टल ने हर्षवर्धन की तुलना शाहरुख खान से कर दी। इस पर हर्षवर्धन असहज हो गए। उन्होंने क्या रिएक्शन दिया है? जानिए

शाहरुख खान से की गई तुलना

दरअसल, एक न्यूज पोर्टल ने शाहरुख खान के साथ हर्षवर्धन राणे की तुलना करते हुए लिखा कि कोविड के बाद हर्षवर्धन ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो पहले किसी के नाम दर्ज नहीं था। कोविड 19 के बाद हर्षवर्धन ऐसे स्टार बन गए हैं, जिनकी एक ही साल में दो फिल्में थिएटर्स में रिलीज हुई हैं। इस मामले में उन्होंने शाहरुख खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिनकी कोविड के बाद साल 2023 में पठान और जवान दो फिल्में रिलीज हुई थीं।

हर्षवर्धन बोले- गुजारिश है कि...

हर्षवर्धन ने पोर्टल की न्यूज अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए रिएक्शन दिया है और गुजारिश की है कि शाहरुख खान के साथ उनकी तुलना न की जाए। एक्टर ने लिखा है, उन्होंने एक साल में दो बार अपने गॉड लेवल स्टारडम से ऐसा किया। मेरा एक साल में दो बार उन्हें फॉलो करने से ऐसा हुआ है। प्लीज मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि किसी भी आर्टिकल में मेरा नाम उनके नाम के साथ न लिखें, वह भगवान हैं और मैं उनका एक मामूली पुजारी हूं।

जहीर इकबाल को एक महीने बाद ही कर दिया था प्रपोज : सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में चैट शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में बतौर गेस्ट पहुंची। यहां वह मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के साथ दिखाई दीं। इस एपिसोड में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ट्विंकल और काजोल से बात की। इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी लव स्टोरी के बारे में बात करते हुए कहा कि जहीर को मिलने के एक महीने बाद ही उन्होंने अभिनेता को प्रपोज कर दिया था। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जब मैंने जहीर को देखा, तो मुझे तुरंत ही समझ आ गया कि यही मेरे लाइफ पार्टनर हैं। मुझे बस यही पता था कि मैं अपनी बाकी जिंदगी इसी लड़के के साथ बिताना चाहती हूं। एक महीने बाद, मैंने उनसे कहा कि मैं सिर्फ तुमसे ही शादी करूंगी, और फिर 7 साल बाद हमने शादी कर ली।अपनी शादी के बारे में भी उन्होंने बात की। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, यह हमेशा से मेरा सपना था। मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी जो जिंदगी भर याद रहे। इसलिए मैंने सोचा, क्यों न मां की साड़ी पहनूं? मैं मां के पास गई और बोली, मां, अपनी साड़ियां दिखाओ। बस पांच मिनट में मैंने एक सुंदर ऑफ-व्हाइट चिकनकारी साड़ी चुन ली। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इक़बाल की शादी 23 जून, 2024 को हुई। उन्होंने यह तारीख इसलिए चुनी क्योंकि यह उनके लिए बहुत महत्व रखती है। यही वह तारीख है जब उन्होंने 2017 में सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' की स्क्रीनिंग और आफ्टर पार्टी के दौरान पहली बार साथ में काफी समय बिताया था।

क्या 52 की उम्र में फिर दुल्हन बनीं महिमा चौधरी? वायरल वीडियो में दिखे बाराती

महिमा चौधरी ने असल में शादी नहीं की है। वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का प्रमोशन कर रही हैं। इसी वजह से दुल्हन बनी हैं। दूल्हे के रूप में संजय मिश्रा नजर आ रहे हैं। दोनों फिल्म में जोड़े के तौर पर नजर आएंगे। इसी फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में यह पूरा फोटोशूट चल रहा है। पैपराजी भी जमकर संजय और महिमा के फोटो खींच रहे हैं।